मुंबई, जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला, रायपुर, इंदौर, दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

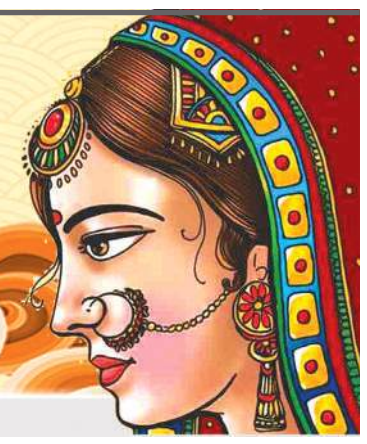
yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

# यश भारत

● वर्ष-2 अंक-171 ● मुंबई ● शनिवार, 7 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14 ● विक्रम संवत् 2083

रूप चौदस की हार्दिक शुभकामनाएं



### बेंगलुरू में खौफनाक सामूहिक हत्याकांड

## कैब ड्राइवर ने पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों को सिलबट्टे से मार डाला



**बेंगलूरू, एजेंसी।** कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में दिल दहला देने वाला सामूहिक हत्याकांड सामने आया है। यहां 45 वर्षीय कैब ड्राइवर शेखर उर्फ इंदुशेखर पर अपनी पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित तौर पर वैवाहिक विवाद और पत्नी के मायके पक्ष की दखलंदाजी से नाराज होकर इस खौफनाक वारदात की साजिश रची। आरोप है कि उसने दो दिनों के भीतर राजाजीनगर स्थित अपने घर में एक-एक कर सात लोगों को बुलाया और सिलबट्टे के पत्थर से उनकी हत्या कर दी। इसके बाद कुछ शवों को अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक, इस सामूहिक हत्याकांड में आरोपी की पत्नी सुनीता, सास रूपावती, साले शिवकुमार और शंकर, परिवार की बहुएं दिव्या और नलिनी तथा सात वर्षीय पुनीत की मौत हुई है। एक मासूम बच्चे की भी हत्या किए जाने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। पुनीत का शव चिक्कबल्लापुर जिले में नंदी हिल्स के पास बरामद किया गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने वारदात के बाद सबूत मिटाने और शवों को ठिकाने लगाने की कोशिश की। जांच में सामने आया है कि शेखर और सुनीता की शादी करीब 20 साल पहले हुई थी। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच वैवाहिक संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच जब भी झगड़ा होता था, सुनीता के परिवार के लोग हस्तक्षेप करते थे और उसका पक्ष लेते थे। पुलिस को संदेह है कि शेखर इसी बात को लेकर नाराज था और उसे लगता था कि पत्नी के मायके वाले उसकी पारिवारिक जिंदगी में दखल दे रहे हैं। इसी रंजिश में उसने कथित तौर पर पत्नी और उसके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया। हालांकि, हत्याओं के पीछे की वास्तविक वजह और साजिश की पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

# फिर अमिताभ का बंगला,स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे हाईकोर्ट को उड़ाने की धमकी

**मुंबई,यशभारत। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक बार फिर बम धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट को धमकी भरा ईमेल भेजा गया, जिसमें अदालत परिसर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि ईमेल में बॉम्बे हाईकोर्ट के अलावा बीएसई, वर्ली रेसकोर्स और बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले जलसा का भी उल्लेख किया गया है। धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और संबंधित स्थानों पर जांच शुरू कर दी गई।**



मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी भरे ईमेल में मुंबई के कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाने की बात कही गई थी। इनमें बॉम्बे हाईकोर्ट, बीएसई, वर्ली रेसकोर्स और अमिताभ बच्चन का बंगला जलसा शामिल हैं। ईमेल सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस और सुरक्षा टीमों ने संभावित खतरे को देखते हुए जांच की, लेकिन शुरुआती तलाशी में किसी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री के मिलने की सूचना नहीं है। पुलिस अब ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए ईमेल के स्रोत और तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि धमकी के पीछे किसी व्यक्ति की शरारत है या इसके पीछे कोई गंभीर साजिश है।गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा का नाम धमकी में आने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 23 अक्टूबर को मुंबई की मेयर रितु तावड़े के कार्यालय को मिले धमकी भरे ईमेल में भी अमिताभ बच्चन के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के कार्यक्रम स्थल महालक्ष्मी रेसकोर्स का उल्लेख किया गया था। इसके अलावा 2 नवंबर को महाराष्ट्र के ठाणे, पुणे, हिंगोली, बीड और नांदेड़ सहित कई जिलों के न्यायालय परिसरों को भी बम से उड़ाने की धमकियां मिली थीं। तलाशी के दौरान वहां भी कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली थी। लगातार मिल रही धमकियों के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के बीच संभावित संबंधों की भी जांच कर रही हैं। हालांकि, अब तक इन सभी घटनाओं के पीछे एक ही व्यक्ति या समूह के होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

### झारखंड में बेकाबू ट्रेलर का तांडव

## 9 लोगों को रौंदा, 7 की मौत



*खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े लोगों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। मृतकों में दो परिवारों के सदस्य शामिल हैं। एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई, जबकि दूसरे परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई है। घटना के विरोध में शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।*

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्रा की कोशांबी कॉलोनी के पास एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसा था। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। कुछ लोग झाड़ियों में फंसे युवक को निकालने का प्रयास कर रहे थे, जबकि महिलाएं और बच्चे सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसे में बिरसा नायक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी कसीला देवी उर्फ जवंती, बेटी अंजली कुमारी और एक साल के नाती की मौत हो गई। बिरसा की दूसरी बेटी खुशबू गंभीर रूप से घायल है, जिसका सदर अस्पताल खूंटी में इलाज चल रहा है। वहीं, दूसरे परिवार के राजेश की मां कर्मी लोहराइन, पत्नी फगन संगा और बेटियां सुभानी व सोनी कुमारी की भी हादसे में जान चली गई। राजेश तीन दिन पहले ही मजदूरी के लिए गुजरात गए थे। उन्हें हादसे की सूचना दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार ट्रेलर चालक और खलासी की तलाश की जा रही है।

## दिवाली पर मुंबई के सरकारी कर्मचारियों को फडणवीस की सौगात

### 9 नवंबर को स्थानीय अवकाश घोषित

**मुंबई, यश भारत । दिवाली के त्योहार को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने सोमवार, 9 नवंबर 2026 को मुंबई शहर और मुंबई उपनगर जिलों में स्थानीय सरकारी अवकाश घोषित किया है। इस संबंध में आधिकारिक परिपत्र भी जारी कर दिया गया है।**



सरकार के निर्णय के अनुसार, 9 नवंबर को मुंबई शहर और उपनगरों के सभी राज्य शासकीय तथा अर्धशासकीय कार्यालय बंद रहेंगे। सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के संगठनों की ओर से दिवाली के अवसर पर अतिरिक्त अवकाश की मांग की गई थी। इसके बाद सरकार ने यह निर्णय लिया।

जारी परिपत्र के मुताबिक, वर्ष 2026 में मुंबई शहर और उपनगरों के लिए तीन स्थानीय अवकाश निर्धारित किए गए हैं। इनमें गोपालकाला (दहीहंडी) और अनंत चतुर्दशी के अवकाश शामिल हैं। गोपालकाला का निर्धारित अवकाश शनिवार को पड़ने के कारण उसे 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन स्थानांतरित किया गया था। अब दिवाली के अवसर पर तीसरे स्थानीय अवकाश के रूप में 9 नवंबर घोषित किया गया है।हालांकि, यह छुट्टी केवल मुंबई शहर और मुंबई उपनगर जिलों के सरकारी एवं अर्धसरकारी कार्यालयों पर लागू होगी। महाराष्ट्र के अन्य जिलों में यह आदेश प्रभावी नहीं होगा।

## कर्मभूमि एक्सप्रेस की बोगियों में लगी आग, पैंट्री से शुरू हुई लपटें, यात्रियों में अफरा-तफरी



**पटियाला,यशभारत। पंजाब से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना पंजाब के पटियाला जिले में राजपुरा स्टेशन के पास हुई। आग ट्रेन की पैंट्री से शुरू होकर कुछ अन्य बोगियों तक फैल गई। धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए ट्रेन से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल और संबंधित टीमों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कर्मभूमि एक्सप्रेस शुक्रवार दोपहर राजपुरा स्टेशन पहुंची थी। इसी दौरान ट्रेन में आग लगने की घटना सामने आई। बताया गया कि आग सबसे पहले पैंट्री कार में लगी और देखते ही देखते इसकी लपटें आसपास की बोगियों तक पहुंच गईं। आग और धुएं को देखकर यात्रियों में दहशत फैल गई। ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने तत्काल बाहर निकलना शुरू कर दिया। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में ट्रेन के आसपास धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। पटियाला के उपायुक्त हिमांशु अग्रवाल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आग पैंट्री कार से शुरू हुई थी और कुछ अन्य बोगियों तक फैल गई।**

## एसआईआर में छूटे मतदाताओं को नाम जुड़वाने का एक और मौका, सात राज्यों के वोटरों को राहत

नई दिल्ली, यशभारत। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से बाहर हुए लोगों को एक और अवसर देने का फैसला किया है। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नागालैंड के ऐसे मतदाता अब दोबारा अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे, जिनके नाम पहले वोटर लिस्ट में दर्ज थे, लेकिन एसआईआर के दौरान उनके गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) वापस नहीं मिलने के कारण ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए। चुनाव आयोग का यह फैसला उन लोगों के लिए बड़ी राहत है, जिन्हें अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे पंजीकरण (एएसडीडी) की श्रेणी में रखकर सूची से बाहर किया गया है। आयोग के निर्देश के मुताबिक, जिन मतदाताओं के घर गणना प्रपत्र पहुंचाए गए थे, लेकिन किसी कारणवश वे प्रपत्र जमा नहीं कर पाए, उन्हें अब दावा-आपत्ति की प्रक्रिया के दौरान अपना नाम जुड़वाने का अवसर मिलेगा। इसके लिए संबंधित मतदाता को अपनी पहचान और निवास संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा केवल उन्हीं लोगों के लिए है, जिनका नाम पहले मतदाता सूची में दर्ज था। ऐसे नए मतदाता, जिनका नाम पहले कभी वोटर लिस्ट में नहीं रहा, इस विशेष राहत के दायरे में नहीं आएंगे। उन्हें निर्धारित सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। साथ ही एक ही व्यक्ति का नाम दो स्थानों पर दर्ज होने से रोकने के लिए दोहरे पंजीकरण पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। चुनाव आयोग का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि एसआईआर के दौरान कई राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से बाहर होने की शिकायतें सामने आई थीं।

### सीबीएसई की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 9 नवंबर से

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर महत्वपूर्ण कार्यक्रम जारी किया है। बोर्ड ने प्रैक्टिकल परीक्षाओं, प्रोजेक्ट असेसमेंट और इंटरनल असेसमेंट की तारीखें घोषित कर दी हैं। इसके तहत विंटर बाउंड स्कूलों में 9 नवंबर 2026 से प्रैक्टिकल परीक्षाएं शुरू होंगी, जबकि सामान्य शैक्षणिक सत्र वाले स्कूलों में यह प्रक्रिया 1 जनवरी 2027 से शुरू होगी। हालांकि, 10वीं और 12वीं की मुख्य यानी थ्योरी परीक्षाओं की विषयवार डेटशीट अभी जारी नहीं की गई है।

## शेयर बाजार में जोरदार उछाल, सेंसेक्स 81 हजार के पार निवेशकों की संपत्ति 30 लाख करोड़



**मुंबई, यशभारत।** दीपावली से पहले धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मजबूत बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 1,718 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई और यह 81 हजार के स्तर को पार कर गया। वहीं निफ्टी भी करीब 494 अंकों की बढ़त के साथ 25 हजार के ऊपर पहुंच गया। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों के चेहरे खिल उठे।कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,718.01 अंक यानी 2.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,028.02 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 493.75 अंक यानी 2.01 प्रतिशत चढ़कर 25,030.35 अंक पर पहुंच गया। खास बात यह रही कि बाजार में लगातार सातवें कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर करीब 503 लाख करोड़ रुपये हो गया। 28 अक्टूबर को यह लगभग 473 लाख करोड़ रुपये था। कुछ ही कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में करीब 30 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

## धनतेरस पर सोने की चमक फीकी

### 22 फीसदी टूटे दाम चांदी में भी 56 प्रतिशत की गिरावट



**नई दिल्ली,यशभारत।** धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी को लेकर सर्राफा बाजार में खास उत्साह रहता है। भारतीय परिवारों में इस दिन कीमती धातुओं की खरीदारी को समृद्धि और मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। हालांकि धनतेरस 2026 पर बाजार की तस्वीर कुछ अलग है। पिछले कुछ वर्षों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज कराने वाले सोने और चांदी की कीमतों में इस साल बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2026 में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंचने के बाद सोना 22 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। इसी तरह चांदी भी अपने जनवरी के उच्चतम स्तर से 56 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आ गई है। कीमतों में आई इस गिरावट ने उन खरीदारों और निवेशकों को राहत दी है, जो ऊंचे दामों के कारण अब तक खरीदारी से दूरी बनाए हुए थे।धनतेरस 2021 से धनतेरस 2026 के बीच सोने की कीमतों में करीब 192 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस तेज उछाल के बाद आई गिरावट ने बाजार में निवेश की रणनीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब सवाल यह है कि मौजूदा कीमतों पर सोना खरीदना कितना फायदेमंद है और निवेश के लिए आभूषण, गोल्ड ईटीएफ या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में से कौन-सा विकल्प बेहतर साबित हो सकता है।धनतेरस के कारोबारी दिन सुबह बाजार खुलने के साथ ही कीमती धातुओं में नरमी का रुख रहा। घरेलू बाजार में सोने का भाव 1,820 रुपये यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता रहा। वहीं चांदी की कीमत में 2,680 रुपये यानी 1.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसका भाव 1,84,860 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

## ओबीसी क्रीमी लेयरः माता-पिता की सैलरी अकेला आधार नहीं: सुको



**नई दिल्ली, एजेंसी।** ओबीसी आरक्षण के तहत क्रीमी लेयर तय करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि किसी अभ्यर्थी को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण से बाहर करने के लिए उसके माता-पिता की केवल वेतन या आय को आधार नहीं बनाया जा सकता। क्रीमी लेयर निर्धारित करते समय माता-पिता की सामाजिक स्थिति, उनके पद और पद की प्रकृति को भी ध्यान में रखना जरूरी है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की संशोधन याचिका खारिज कर दी है। इस फैसले का सीधा असर उन अभ्यर्थियों पर पड़ेगा, जिनके माता-पिता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), बैंकों और निजी संस्थानों में कार्यरत हैं।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से पीएसयू और निजी क्षेत्र की नौकरियों के पदों की सरकारी पदों के समकक्ष स्थिति निर्धारित करने तथा नई व्यवस्था लागू करने के लिए दो साल का अतिरिक्त समय मांगा था। हालांकि, अदालत ने सरकार की इस मांग को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने फैसले का अनुपालन करने के लिए केवल आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया है।दरअसल, यह पूरा मामला सिविल सेवा परीक्षा में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर का लाभ पाने वाले कुछ अभ्यर्थियों से जुड़ा है। इन अभ्यर्थियों के माता-पिता सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंकों और इसी तरह के संस्थानों में कार्यरत थे। सरकार ने उनके माता-पिता के वेतन को आय में शामिल करते हुए उन्हें क्रीमी लेयर की श्रेणी में मान लिया था, जिसके कारण उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिल सका। इसके बाद अभ्यर्थियों ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में याचिका दायर कर नॉन-क्रीमी लेयर के आधार पर नियुक्ति देने की मांग की थी। अधिकरण ने उनके पक्ष में आदेश जारी किया था।विवाद की जड़ केंद्र सरकार का वर्ष 1993 का कार्यालय ज्ञापन है, जिसमें ओबीसी क्रीमी लेयर निर्धारित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसमें वेतन और कृषि आय को आय सीमा की गणना में शामिल नहीं करने का प्रावधान था। हालांकि, 14 अक्टूबर 2004 को जारी स्पष्टीकरण में पीएसयू और निजी क्षेत्र में कार्यरत माता-पिता के वेतन और आय को भी गणना में शामिल करने की बात कही गई।

## शरद पवार की सेहत में सुधार, शनिवार सुबह अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी

**मुंबई, यश भारत ।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता शरद पवार की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। उनकी बेटी एवं सांसद सुप्रिया सुले ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पवार को शनिवार सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। उन्हें सुबह करीब 11 बजे अस्पताल से घर भेजे जाने की संभावना है। 85 वर्षीय शरद पवार का दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उपचार चल रहा है। उन्हें सीने में संक्रमण और सांस संबंधी परेशानी के कारण भर्ती कराया गया था। इससे पहले 2 नवंबर को उन्हें पुणे के रूबी हॉल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां से 4 नवंबर को छुट्टी मिलने के बाद उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए मुंबई के अस्पताल में भर्ती कराया गया।



सुप्रिया सुले के मुताबिक, उनके पिता की तबीयत में सुधार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने फोन कर शरद पवार का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी शुक्रवार को अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

## महाराष्ट्र की दिवाली में परंपराओं के रंग

### कहीं शिवरायों के किले तो कहीं वाघदेव की पूजा

**मुंबई, यश भारत । महाराष्ट्र में दिवाली का त्योहार केवल दीपों और मिठाइयों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में सदियों पुरानी अनूठी परंपराओं के साथ मनाया जाता है। इन परंपराओं में इतिहास, प्रकृति, पशुपालन और लोकसंस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिलती है।**

पश्चिम महाराष्ट्र के पुणे, सातारा और कोल्हापुर सहित कई क्षेत्रों में दिवाली पर बच्चे घरों के आंगन में छत्रपति शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक गढ़-किलों की प्रतिकृतियां बनाते हैं। मिट्टी से तैयार इन किलों पर बुर्ज, दरवाजे और कुएं बनाए जाते हैं।



साथ ही शिवाजी महाराज और मावलों की मूर्तियां रखकर उनके शौर्य और इतिहास को याद किया जाता है।

पालघर, ठाणे और नासिक के आदिवासी क्षेत्रों में वसुबारस को 'वाघबारस' के रूप में मनाने की परंपरा है। इस दिन आदिवासी समुदाय वाघदेव की पूजा कर जंगल और वन्यजीवों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है।वहीं धनगर समाज में दिवाली पर भेड़ों का विशेष शृंगार किया जाता है। उन्हें नहलाकर हल्दी-कुमकुम लगाया जाता है और फूलों से सजाकर उनकी पूजा की जाती है। कोकण में नरक चतुर्दशी के दिन अभ्यंग स्नान से पहले कड़वे फल कारिट (करिट) को पैर से कुचलने की परंपरा है। इसे नरकासुर के वध और बुराई के अंत का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा भाऊबीज पर बहनें भाइयों की आरती उतारकर उनके सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। इस तरह महाराष्ट्र की दिवाली अपनी विविध लोकपरंपराओं के कारण विशेष पहचान रखती है।

# एंटीलिया विस्फोटक मामला
## सचिन वाझे की जमानत रद्द



***मुंबई, यश भारत। उद्योगपति मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास 'एंटीलिया' के बाहर विस्फोटकों से भरी कार खड़ी करने और कारोबारी मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में आरोपी बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाझे को बड़ा झटका लगा है। मुंबई उच्च न्यायालय ने गुरुवार को उसकी जमानत रद्द कर दी।***

न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अपील स्वीकार करते हुए विशेष अदालत के जमानत आदेश को निरस्त कर दिया। विशेष अदालत ने सितंबर में वाझे को जमानत दी थी, जिसके खिलाफ एनआईए ने उच्च न्यायालय में अपील की थी। विशेष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि एनआईए वाझे के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवाद का प्रथम दृष्टया मामला साबित नहीं कर सकी है। साथ ही, अंबानी परिवार में आतंक का माहौल पैदा होने के पर्याप्त साक्ष्य भी नहीं मिले थे। एनआईए ने इस फैसले को कानून की दृष्टि से गलत बताते हुए चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने पहले ही जमानत आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। अब जमानत रद्द होने के बाद वाझे ठाणे केंद्रीय कारागार में ही रहेगा।

# दीपावली पर मोबाइल बाजार में रिकॉर्ड खरीदारी



## मुंबई में रोजाना 30 करोड़ का कारोबार

**मुंबई, यश भारत।** दीपावली और धनतेरस के दौरान मुंबई के मोबाइल बाजार में जबरदस्त रौनक रही। मोबाइल कारोबारियों के मुताबिक, त्योहार के दौरान मुंबई में प्रतिदिन करीब 30 करोड़ रुपए के मोबाइल फोन की बिक्री हुई। बजट स्मार्टफोन से लेकर प्रीमियम श्रेणी के महंगे मोबाइल तक ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। इस बार एप्पल के आईफोन ने विशेष आकर्षण पैदा किया। बाजार में इसके महंगे मॉडल और फोल्डेबल स्मार्टफोन की कीमत करीब 4 लाख 49 हजार 900 रुपए तक चर्चा में रही। हालांकि, इस मॉडल की कीमत और उपलब्धता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर, सैमसंग, वनप्लस, वीवो, ओप्पो, रियलमी और शाओमी के स्मार्टफोन की भी अच्छी मांग रही। 10 से 25 हजार और 30 से 50 हजार रुपए की कीमत वाले मोबाइल सबसे अधिक पसंद किए गए। युवाओं ने बेहतर कैमरा, ज्यादा स्टोरेज, तेज प्रोसेसर और लंबी बैटरी वाले फोन को प्राथमिकता दी। पुराने फोन के बदले नया मोबाइल खरीदने का चलन भी बढ़ा। कंपनियों ने बैंक छूट, कैशबैक, एक्सचेंज बोनस और नो-कॉस्ट ईएमआई जैसी योजनाओं से ग्राहकों को आकर्षित किया। कारोबारियों के अनुसार, डिजिटल जरूरतों ने मोबाइल बाजार की मांग को नई गति दी है।



## ब्रिलियंट अवॉर्ड्स में कुंदन व्यास को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

**मुंबई, यश भारत।** बिग बिजनेस काउंसिल की ओर से इंडिया फाइन आर्ट्स काउंसिल और ज़ीलस बेवी के सहयोग से मुंबई प्रेस क्लब में ब्रिलियंट अवॉर्ड्स सीजन-4 का आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने और समाज में योगदान देने वाले 26 विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पद्म भूषण से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार एवं जन्मभूमि ट्रस्ट के सीईओ कुंदन व्यास को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान करना रहा। मुख्य अतिथि मंजू लोढ़ा ने बीबीसी के संस्थापक निदेशकों हरेश मेहता और डॉ. अलका वालावालकर की उपस्थिति में उन्हें सम्मानित किया। समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी अमित तिवारी और एयर इंडिया के पूर्व निदेशक एवं बोर्ड सदस्य अमोद शर्मा भी उपस्थित रहे। सम्मानित होने वालों में जमशेद मिस्त्री, विश्वास मोटे, रेखा निगम, गुरबीर सिंह चावला, प्रियंका पारेख, नीला सांघवी, मनवा नाइक, स्वाति चौहान, सुरेश मित्तल, विशाल आहूजा, ममता राजा, चंद्रकांत शाह, तजिंदर सिंह तिवाना, शिल्पा चौधरी, संजीव गुप्ता, इकबाल ममदानी, शुभ मल्होत्रा, डॉ. मिताली उपाध्ये, मानव चौहान, राकेश पांडे, नरेश फाल्टनकर, गोपाल शर्मा, इंदू नरुला, पायल शाह और रूपेश पिल्लई शामिल रहे।

# आसाराम बापू को आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध कराने की मांग



**मुंबई, यश भारत।** जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद 87 वर्षीय आसाराम बापू को बेहतर आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग उठी है। मुंबई की संस्था युवा जागृति संघ ने आरोप लगाया है कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे संत को न्यायालय के निर्देशों के बावजूद उचित आयुर्वेदिक उपचार नहीं मिल रहा है। संस्था के एडवोकेट पवन करकेरा के अनुसार 30 जून 2026 को सर्वोच्च न्यायालय और 1 जुलाई को राजस्थान उच्च न्यायालय ने पूर्व में उपलब्ध आयुर्वेदिक चिकित्सा जारी रखने के निर्देश दिए थे। चिकित्सकों ने भी उन्हें आयुर्वेदिक अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि बापू हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों सहित कई स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं। जोधपुर जेल में आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की कमी को देखते हुए उनकी सुरक्षा पर चिंता जताई गई है। संस्था ने न्यायालय के निर्देशों का पालन कर उन्हें तत्काल आयुर्वेदिक अस्पताल में भर्ती कराने की मांग की है।

# मिलावटखोरों पर एफडीए की बड़ी कार्रवाई
## 63.45 करोड़ रुपए का खाद्य पदार्थ जब्त




**मुंबई, यश भारत।** दीपावली के दौरान खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मिलावटखोरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 63.45 करोड़ रुपए मूल्य के 3,098 मीट्रिक टन से अधिक खाद्य पदार्थ जब्त किए हैं। कार्रवाई के तहत 954 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस और पंजीकरण भी निलंबित किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार, 1 सितंबर से 3 नवंबर तक राज्यभर में 9,667 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान 4,603 सुधार संबंधी नोटिस जारी किए गए और 8,835 नमूने जांच के लिए लिए गए। जब्त सामग्री में 7.63 करोड़ रुपए मूल्य का घी, खोया और अन्य दुग्ध उत्पाद तथा 7.47 करोड़ रुपए के सूखे मेवे शामिल हैं। इसके अलावा नमकीन, मसालों और खाद्य तेलों में भी मिलावट एवं अनियमितताएं सामने आई। एफडीए ने नकली खोया, मिलावटी घी, मिठाइयों में प्रतिबंधित रंगों और चांदी के वर्क की जगह एल्युमिनियम का इस्तेमाल करने वालों पर विशेष निगरानी रखी है। ऑनलाइन खाद्य सामग्री बेचने वाले प्रतिष्ठानों की भी जांच की जा रही है।




## डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर 1.90 करोड़ की ठगी

**मुंबई, यश भारत।** चेंबूर निवासी 78 वर्षीय सेवानिवृत्त महिला को आतंकवादी संगठन से संबंध और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाकर साइबर ठगों ने 1 करोड़ 90 लाख 5 हजार रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने खुद को एटीएस अधिकारी बताकर वीडियो कॉल के जरिए महिला को डिजिटल अरेस्ट जैसी स्थिति में रखा और शेयर बेचने के साथ एफडी तुड़वाने के लिए मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, 6 अक्टूबर को महिला को व्हाट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वालों ने आधार कार्ड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में होने और बैंक खाते का संबंध आतंकवादी से होने का दावा किया। पुलिस की वर्दी में एक व्यक्ति ने खुद को दिल्ली एटीएस का अधिकारी बताया और गिरफ्तारी की धमकी दी। आरोपियों ने महिला से बैंक खातों की जानकारी लेकर अलग-अलग खातों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर करवाए। आरबीआई का फर्जी पत्र भी दिखाया गया। ठगों की मांग बढ़ने पर महिला ने अमेरिका में रहने वाले अपने रिश्तेदार को जानकारी दी। उसके जरिए धोखाधड़ी का खुलासा हुआ। महिला की शिकायत पर साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# म्हाडा का मकान सस्ते में दिलाने के नाम पर 14.66 लाख की ठगी




**मुंबई, यश भारत।** म्हाडा के संक्रमण शिविर में मकान सस्ते दाम पर दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी से 14.66 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक दंपती और उनके सहयोगियों ने खुद को म्हाडा अधिकारी बताकर फर्जी दस्तावेजों के जरिए कारोबारी का विश्वास जीता। वडाला टीटी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता सत्यवान राऊत वर्ष 2023 में प्रतीक्षानगर में मकान तलाश रहे थे। इसी दौरान परिचित के माध्यम से उनकी मुलाकात सखाराम घाडगे से हुई। घाडगे ने उन्हें संक्रमण शिविर की एक खाली सदनिका दिखाई और 14 लाख रुपये कीमत बताई। घरपट्टी और बिजली कनेक्शन हस्तांतरण के नाम पर 50 हजार रुपये अतिरिक्त लिए गए। आरोपियों ने मकान से जुड़े दस्तावेज भी सौंपे, लेकिन बाद में टालमटोल करने लगे। वर्ष 2024 में जांच करने पर राऊत को पता चला कि सदनिका में पहले से एक व्यक्ति सात लाख रुपये की अनामत पर किराये से रह रहा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

# छोटा शकील के साले की डोंगरी स्थित इमारत ईडी ने की जब्त

**मुंबई, यश भारत।** अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के साले मोहम्मद सलीम इकबाल कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दक्षिण मुंबई के डोंगरी स्थित लैम्बर्ट इमारत जब्त कर ली है। इसके साथ ही बिल्डर असलम अब्दुल रहमान पटनी और अन्य आरोपियों के बैंक खातों में जमा रकम भी कुर्क की गई है। जब्त संपत्तियों का कुल मूल्य करीब चार करोड़ रुपये है। ईडी के अनुसार, सलीम फ्रूट पर दाऊद इब्राहिम गिरोह के नाम पर धमकियां देकर और फर्जी दस्तावेजों के जरिए इमारत पर अवैध कब्जा करने का आरोप है। बाद में यह संपत्ति उसकी पत्नी शाजिया सलीम कुरैशी के नाम पर हस्तांतरित की गई थी। जांच एजेंसी का आरोप है कि वर्ष 2019 में बिल्डर असलम पटनी ने इमारत में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी धमकियों के जरिए हासिल की थी। इस सौदे में मूल मालिकों को कोई भुगतान नहीं किया गया। संपत्ति के लेन-देन में मृत व्यक्ति के हस्ताक्षर का फर्जी इस्तेमाल करने का भी आरोप है। ईडी मामले में कथित मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है।

## ठेकेदारों का 86 हजार करोड़ बकाया
## सरकार ने 5 हजार करोड़ रुपए किए मंजूर

**मुंबई, यश भारत।** महाराष्ट्र के विभिन्न सरकारी विभागों में कंत्राटदारों के करीब 86 हजार करोड़ रुपए बकाया होने से निर्माण क्षेत्र में आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। भुगतान के लिए आंदोलन और दबाव के बाद सरकार ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के कंत्राटदारों को राहत देने के लिए 5 हजार करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। महाराष्ट्र राज्य कंत्राटदार संगठन ने 30 अक्टूबर से मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को फोन करो अभियान शुरू किया था। इसके बाद सार्वजनिक निर्माण मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर निधि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। सरकार के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में सार्वजनिक निर्माण विभाग अब तक 9,700 करोड़ रुपए वितरित कर चुका है। भवनों की मरम्मत के लिए 700 करोड़ और जल जीवन मिशन तथा आदिवासी विकास विभाग के कंत्राटदारों के लिए 1,320 करोड़ रुपए देने का भी आश्वासन दिया गया है।

## लगातार ओटीपी भेजकर टैक्सी चालक के पांच बैंक खातों से 10.88 लाख उड़ाए

**मुंबई, यश भारत।** गोवंडी में साइबर ठगों ने एक टैक्सी चालक के पांच बैंक खातों से 10 लाख 88 हजार 822 रुपए निकाल लिए। महज चार घंटे के भीतर अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर की गई। इस मामले में पूर्व विभाग साइबर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, शिवाजीनगर निवासी अब्दुल शेख (34) के मोबाइल नंबर से पांच बैंक खाते जुड़े हैं। 2 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे उनके मोबाइल पर लगातार ओटीपी आने लगे। काम में व्यस्त होने के कारण उन्होंने इन संदेशों पर ध्यान नहीं दिया। शाम 7 बजे मोबाइल जांचने पर उन्हें पांचों बैंक खातों से बिना अनुमति रकम निकाले जाने का पता चला। पीड़ित को संदेह है कि साइबर ठगों ने तकनीक के जरिए उनका मोबाइल हैक कर ओटीपी का दुरुपयोग किया। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### महादेव बेटिंग ऐप घोटाला

# सह-संस्थापक रवी उप्पल दुबई में गिरफ्तार



**मुंबई, यशभारत।** महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले में भारतीय जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर के बाद अब नेटवर्क के सह-संस्थापक रवी उप्पल को भी दुबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक सप्ताह के भीतर हुई इन दो कार्रवाइयों के बाद भारतीय एजेंसियों ने उप्पल को भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण प्रक्रिया तेज कर दी है। छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी रवी उप्पल पर सौरभ चंद्राकर के साथ सट्टेबाजी नेटवर्क संचालित करने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, उप्पल दुबई स्थित कार्यालय से वित्तीय लेन-देन, हवाला नेटवर्क और सट्टेबाजी संचालकों का प्रबंधन करता था। उस पर करोड़ों रुपये के हवाला लेन-देन में शामिल होने का भी आरोप है। अक्टूबर 2023 में इंटरपोल ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। दिसंबर 2023 में दुबई में हिरासत के बाद उसे रिहा कर दिया गया था। जनवरी 2024 में भारत ने उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था। अब दोबारा गिरफ्तारी के बाद उसे भारत लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

# मुंबई महानगरपालिका में पहली बार ऑनलाइन तबादला प्रणाली लागू
## 694 इंजीनियर होंगे शामिल

***मुंबई, यश भारत। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के इतिहास में पहली बार इंजीनियरों के विभिन्न संवर्गों के लिए ऑनलाइन तबादला प्रणाली लागू की गई है। इससे तबादला प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बढ़ने के साथ मनमानी पर अंकुश लगने की उम्मीद है।***





इस व्यवस्था में कुल 694 इंजीनियरों को शामिल किया गया है। इनमें सिविल विभाग के 345 अधीक्षण अभियंता, 44 सहायक अभियंता और 120 कनिष्ठ अभियंता हैं। वहीं, यांत्रिकी एवं विद्युत विभाग के 99 अधीक्षण अभियंता, 55 सहायक अभियंता और 31 कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। सूचना का अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली ने इस व्यवस्था को लागू कराने के लिए लगातार प्रयास किए। उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार जताया। साथ ही महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिडे, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. अविनाश ढाकणे और प्रमुख अभियंता रामचंद्र कदम की भूमिका की सराहना की इस व्यवस्था से तबादलों में राजनीतिक हस्तक्षेप कम करने और प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

## कार्रवाई के दौरान पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज और धमकी
## वीडियो बनाकर आरोपी फरार

**मुंबई, यश भारत।** गोरेगांव पश्चिम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति ने पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज और धमकी दी। आरोपी ने मोबाइल से पुलिसकर्मियों का वीडियो भी बनाया और पत्नी के साथ ऑटो रिक्शा में बैठकर फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 2 नवंबर की रात करीब 1.03 बजे की है। यातायात पुलिसकर्मी दीपक बागल अपने सहयोगियों पाटील और आंबेकर के साथ गोरेगांव पश्चिम में अनधिकृत पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने इस संबंध में यातायात विभाग से शिकायत की थी। इसी दौरान ऑटो रिक्शा से उतरा एक व्यक्ति पुलिसकर्मियों से उलझ गया। आरोप है कि उसने अश्लील भाषा का इस्तेमाल करते हुए उन्हें सबक सिखाने की धमकी दी और वीडियो बनाने लगा। पुलिस की शिकायत के मुताबिक, वह नशे में था। बाद में पत्नी उसे लेकर मौके से चली गई। पुलिस आरोपी की पहचान करने में जुटी है।

# मुंबई एयरपोर्ट से 12 विदेशी एयरलाइंस की उड़ानों पर रोक
## नवी मुंबई में होगा संचालन

***मुंबई, यश भारत। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 के पुनर्विकास के चलते 12 विदेशी एयरलाइंस की उड़ानों को मुंबई से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानांतरित किया जा सकता है। नई व्यवस्था मार्च 2027 के अंत से लागू होने की संभावना है।***



मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने वर्ष 2027 के ग्रीष्मकालीन उड़ान कार्यक्रम के लिए 50 में से 38 अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को स्लॉट आवंटित किए हैं, जबकि 12 कंपनियों को स्लॉट नहीं मिले हैं। प्रभावित एयरलाइंस प्रतिदिन करीब 16 उड़ानों का संचालन करती हैं और उनकी सेवाएं 14 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ी हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, इस बदलाव से मुंबई एयरपोर्ट की मौजूदा यातायात क्षमता का लगभग 91 प्रतिशत हिस्सा अप्रभावित रहेगा। टर्मिनल-1 के पुनर्विकास के बाद उसकी वार्षिक यात्री क्षमता 1.5 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ करने का लक्ष्य है। इससे करीब 50 लाख यात्रियों का वार्षिक यातायात नवी मुंबई एयरपोर्ट की ओर स्थानांतरित हो सकता है।

# गरबा का टिकट दिलाने का झांसा देकर युवती से ठगी

**मुंबई, यश भारत।** गोरेगांव के नेस्को सेंटर में आयोजित गरबा कार्यक्रम के टिकट दिलाने का झांसा देकर साइबर ठग ने एक युवती से 16,500 रुपये ठग लिए। भुगतान के बावजूद टिकट नहीं मिलने पर पीड़िता ने कुरार पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, मालाड पूर्व के पठानवाड़ी निवासी निधि चित्रोड़ा (27) को उनकी बहन अवनी के माध्यम से 'जेडी इवेंट' नामक समूह में टिकट विक्रेता का मोबाइल नंबर मिला था। संपर्क करने पर आरोपी ने 1,650 रुपये प्रति टिकट के हिसाब से 10 टिकट देने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने टिकट बुकिंग के लिए परिवार के सदस्यों की निजी जानकारी लेकर व्हाट्सऐप पर क्यूआर कोड भेजा। इसके जरिए निधि ने गूगल पे से 16,500 रुपये भेज दिए। आरोपी ने भुगतान के बाद टिकट मिलने का आश्वासन दिया, लेकिन टिकट नहीं भेजे। दोबारा संपर्क करने पर मोबाइल नंबर बंद मिला। पुलिस यूपीआई आईडी और लेन-देन की जांच कर रही है।

# बीडीडी चाल पुनर्विकास को मिली रफ्तार

## 557 परिवारों को मिला 500 वर्गफुट के घरों का तोहफा, दिसंबर 2029 तक पूरा होगा पुनर्वास प्रकल्प

**मुंबई, यशभारत।** बीडीडी चाल पुनर्विकास परियोजना को गति देते हुए सरकार ने धनतेरस के शुभ अवसर पर 557 परिवारों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपीं। नायगांव नहीं, बल्कि लोअर परेल के ना.म. जोशी मार्ग स्थित बीडीडी चाल परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रमुख उपस्थिति में लाभार्थियों को 500 वर्गफुट के सुसज्जित घरों की चाबियां वितरित कीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भी उपस्थित थीं।



एकनाथ शिंदे ने कहा कि बीडीडी चाल परियोजना वर्षों से लंबित थी, लेकिन अब इसका काम पूरी गति से चल रहा है। सरकार का पैर ब्रेक पर नहीं, बल्कि एक्सीलेटर पर है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दिसंबर 2029 तक पूरे पुनर्विकास प्रकल्प के तहत घरों का वितरण पूरा कर दिया जाएगा।

शिंदे ने बताया कि पुलिसकर्मियों के घरों की कीमत पहले 50 लाख रुपए तय थी, जिसे रहवासियों की मांग पर घटाकर 15 लाख रुपए करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। पुनर्विकास के तहत उद्यान, खुले मैदान, क्लब हाउस और आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। विकासकों को निर्माण की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मुंबई और महानगर क्षेत्र में अगले 15 से 20 वर्षों में 20 से 25 लाख घर बनाने का लक्ष्य है। सरकार का उद्देश्य मुंबई को झुग्गीमुक्त बनाना और आम लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराना है।

# 'अम्मा जरा पता बताना' कहकर चेन ले उड़ा डिलीवरी बॉय

## कांदिवली में लुटेरे ने बुजुर्ग महिला को बनाया निशाना, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

**मुंबई, यशभारत। मुंबई के कांदिवली (पश्चिम) में डिलीवरी बॉय बनकर आए एक लुटेरे ने पता पूछने के बहाने बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन छीन ली। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से हाउसिंग सोसायटी में हड़कंप मच गया। लूट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।**



जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर को दूसरी मंजिल पर रहने वाली बुजुर्ग महिला अपने फ्लैट का दरवाजा खोल रही थीं। इसी दौरान डिलीवरी बॉय की पोशाक पहने एक युवक उनके पास पहुंचा और किसी पते के बारे में पूछने लगा। महिला ने पता देखकर उसे बताया कि वह गलत मंजिल पर आया है और तीसरी मंजिल पर जाने को कहा। इसी बीच आरोपी ने अचानक महिला पर झपट्टा मारा और उनके गले से सोने की चेन खींचकर फरार हो गया। महिला के शोर मचाने के बावजूद वह हाथ नहीं आया।

घटना के समय सोसायटी का सुरक्षा गार्ड भी अपनी जगह पर मौजूद नहीं था। कांदिवली पुलिस ने बीएनएस की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। घटना ने सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# 'सफाई कर्मचारी ही मुंबई के असली नायक' -एकनाथ शिंदे

## 140 सफाईकर्मियों को 300 वर्गफुट के घरों की सौगात अगले चरण में 500 से 550 मकानों का होगा वितरण

**मुंबई, यशभारत।** मुंबई को स्वच्छ रखने के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले सफाई कर्मचारियों के अपने घर का सपना साकार करने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार ने कदम बढ़ाया है। धनतेरस के अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रमुख उपस्थिति में बृहन्मुंबई महानगरपालिका की आश्रय योजना के दूसरे चरण के तहत 140 सफाई कर्मचारियों को उनके घरों की चाबियां सौंपीं।



इस अवसर पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि सफाई कर्मचारी ही मुंबई के असली नायक हैं। कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा करने वाले और हर सुबह शहर की सड़कों को स्वच्छ रखने वाले इन कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन और पक्का आवास उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि पहले सफाई कर्मचारियों को 150 वर्ग फुट के मकान दिए जाते थे, लेकिन अब 300 वर्ग फुट के बड़े घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आधुनिक पूर्वनिर्मित तकनीक से तैयार इन मकानों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है। अगले चरण में लगभग 500 से 550 मकानों की चाबियां सौंपी जाएंगी।

शिंदे ने महानगरपालिका को सफाई कर्मचारियों के बच्चों के उच्च शिक्षा के लिए विशेष योजना बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि उनके बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और वकील बनें, इसके लिए अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, महापौर रितु तावड़े और महानगरपालिका आयुक्त अश्विनी भिड़े सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

# टीसीएस धर्मांतरण मामले में इम्तियाज जलील पर शिकंजा

## निदा खान को पनाह देने के आरोप में केस दर्ज नासिक पुलिस की एसआईटी ने की कार्रवाई

**मुंबई, यश भारत।** नासिक की टीसीएस कंपनी में महिला कर्मचारियों के कथित यौन शोषण और धर्मांतरण के मामले में अब एमआईएम के नेता एवं पूर्व सांसद इम्तियाज जलील का नाम भी जुड़ गया है। नासिक पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को कथित तौर पर छिपने और रहने के लिए आश्रय देने के आरोप में जलील के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, इस संवेदनशील मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को पूछताछ और जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। आरोप है कि निदा खान को छत्रपति संभाजीनगर में पनाह देने और रहने की व्यवस्था करने में इम्तियाज जलील ने मदद की थी। इन्हीं आरोपों के आधार पर पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की है। इससे पहले इसी मामले में एमआईएम के नगरसेवक मतीन पटेल के खिलाफ भी कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस ने जांच के दौरान कुछ रिकॉर्डिंग और आवाज के नमूने भी एकत्र किए हैं। अब इम्तियाज जलील को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मच गई है। हालांकि, जलील के खिलाफ लगे आरोप अभी जांच के दायरे में हैं और उनकी पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।






# दिवाली पर घर लौट रहे पुलिस प्रशिक्षुओं की बस पलटी

## सातारा में आधी रात को भीषण हादसा, तीन चालकों समेत 15 घायल

**सातारा, यशभारत।** दिवाली की छुट्टियां मनाने घर लौट रहे धुले पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं की निजी बस सातारा जिले के कराड तालुका स्थित मसूर के पास आधी रात को भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में तीन चालक और 12 पुलिस प्रशिक्षुओं सहित कुल 15 लोग घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई।



जानकारी के अनुसार, धुले पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु दिवाली की छुट्टियां मनाने के लिए निजी बस से कोल्हापुर और पश्चिम महाराष्ट्र स्थित अपने गांवों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मसूर के पास अचानक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बस चालक का वाहन से नियंत्रण छूटने या सड़क की स्थिति के कारण दुर्घटना होने की आशंका है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। मसूर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# पवार-पटेल की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी हलचल

## 10 नवंबर के बाद फिर साथ बैठेंगे दोनों नेता, राकांपा के एक होने की अटकलें तेज



**मुंबई, यशभारत।** महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों के एक होने की चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। गुरुवार को राकांपा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार से करीब डेढ़ घंटे तक मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों की चर्चा शुरू हो गई है। प्रफुल्ल पटेल ने शरद पवार की तबीयत का हाल जाना। मुलाकात के बाद उन्होंने बताया कि पवार साहब की तबीयत अच्छी है। दोनों के बीच राज्य और देश की राजनीतिक परिस्थितियों पर भी बातचीत हुई। पटेल ने कहा कि राजनीतिक रास्ते भले अलग हो गए हों, लेकिन दोनों परिवारों के व्यक्तिगत संबंध आज भी कायम हैं।

सूत्रों के अनुसार, शरद पवार ने पटेल से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई राकांपा नेताओं की बैठक की जानकारी भी ली। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं ने 10 नवंबर के बाद फिर साथ बैठकर चर्चा करने का संकेत दिया है।

हालांकि, राकांपा की ओर से दोनों गुटों के विलय की किसी आधिकारिक योजना की पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले वरिष्ठ नेता छगन भुजबल और कांग्रेस विधायक विश्वजीत कदम ने भी अस्पताल पहुंचकर शरद पवार से मुलाकात की थी।

# साहिल की मौत के बाद जागा आईआईटी बॉम्बे

## नकल और सजा के नियमों की होगी समीक्षा, छात्रों से मांगी जा रही राय

**मुंबई, यशभारत।** आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोड़े की आत्महत्या के बाद संस्थान ने परीक्षा में नकल और विद्यार्थियों को दी जाने वाली सजा के नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। इसके तहत संस्थान ने स्नातक विद्यार्थियों के बीच सर्वेक्षण शुरू किया है। इसका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी किन परिस्थितियों में नकल करते हैं और इसके पीछे क्या कारण होते हैं।





स्नातक शैक्षणिक परिषद की ओर से जारी इस प्रश्नावली में लगभग 18 सवाल हैं। विद्यार्थियों से पूछा जा रहा है कि अच्छे अंक लाने का दबाव, नौकरी और प्रशिक्षण में अंकों का महत्व तथा परीक्षा में पकड़े जाने का डर उनके फैसलों को किस तरह प्रभावित करता है। साथ ही यह भी जानने की कोशिश की जा रही है कि क्या कड़ी सजा के डर से विद्यार्थी अपनी गलती स्वीकार करने या मदद मांगने से बचते हैं।

घटना के बाद निदेशक प्रो. शिरीष केदारे ने चार शिक्षकों और चार विद्यार्थियों की आठ सदस्यीय समिति बनाई है। समिति ने परीक्षा में अनुचित तरीकों के मामलों से निपटने की प्रक्रिया में बदलाव का सुझाव दिया है। सर्वेक्षण के जवाब गुप्त रखे जाएंगे और विद्यार्थियों के ई-मेल पते भी नहीं लिए जाएंगे।

# 12 फरवरी को एक होने वाले थे दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस

## अजीत पवार की मध्यस्थता में बनी थी सहमति, सुनील तटकरे का बड़ा दावा



**मुंबई, यशभारत।** महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने दावा किया है कि अजीत पवार की मध्यस्थता में दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टियों को एक करने पर सहमति बनी थी। इसके लिए 12 फरवरी की तारीख भी तय की गई थी। हालांकि, कुछ कारणों से यह समझौता अंतिम रूप नहीं ले सका और दोनों दलों का एकीकरण टल गया। तटकरे के इस खुलासे ने महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। उनके बयान से यह सवाल भी उठने लगा है कि जब दोनों गुटों के एक होने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी थी, तो आखिर किन परिस्थितियों में यह प्रक्रिया रुक गई? अजीत पवार की भूमिका को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि तटकरे के दावे पर शरद पवार गुट की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है और दोनों दलों के विलय को लेकर आगे क्या राजनीतिक रुख सामने आता है।

# वन विभाग की लापरवाही से तेंदुए के तीन शावकों की मौत

## फाइलों में दबी रिहाई की चिट्ठियां, पिंजरों में कैद रहे शावक

**मुंबई, यशभारत। वन विभाग की कथित लापरवाही के चलते नागपुर के सेमिनरी हिल्स स्थित ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर में तीन तेंदुए के शावकों की मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि केंद्र की पशु चिकित्सक ने शावकों और उनकी मां को प्राकृतिक आवास में छोड़ने के लिए तीन बार पत्र लिखकर अधिकारियों को आगाह किया था, लेकिन उनकी सिफारिशों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।**

जानकारी के अनुसार, जनवरी 2026 में एक गर्भवती मादा तेंदुए को बचाकर केंद्र में लाया गया था। मार्च में उसने तीन स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। चिकित्सकीय जांच में सभी को प्राकृतिक जंगल में छोड़ने योग्य पाया गया था। इसके बाद 3 अगस्त, 29 सितंबर और 13 अक्टूबर को रिहाई के संबंध में पत्र भेजे गए।

इसके बावजूद शावकों को पिंजरे में रखा गया। 1 सितंबर को एक शावक का सिर पिंजरे की सलाखों में फंसने से मौत हो गई। 29 सितंबर को दूसरे शावक की भी जान चली गई, जबकि तीसरा शावक 31 अक्टूबर को मां के पिंजरे के नीचे मृत मिला।

केंद्र के कर्मचारियों ने सीसीटीवी कैमरे बंद रहने की शिकायत भी की है। वहीं, वन अधिकारी प्रकाश भदाने का कहना है कि बचाए गए वन्यजीवों को छोड़ने का निर्णय वन विभाग की समिति लेती है। इस घटना ने वन विभाग की निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# उल्हासनगर के 29 समूहों का होगा पुनर्विकास

## शिंदे ने दिए सख्त निर्देश, 10 हजार घर भी बनेंगे

**मुंबई, यशभारत।** महाराष्ट्र में वर्षों से अटकी पुनर्विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने शिवशाही पुनर्वसन परियोजना को निर्देश दिया है कि झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (एसआरए) की लंबित परियोजनाओं की जिम्मेदारी लेकर उन्हें प्राथमिकता से पूरा किया जाए। सह्याद्री अतिथिगृह में शिवशाही पुनर्वसन परियोजना के संचालक मंडल की 45वीं बैठक में शिंदे ने परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र के छह समूहों और उल्हासनगर के 29 से अधिक समूहों के सामूहिक पुनर्विकास को गति देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके लिए सर्वेक्षण, नियोजन और सलाहकारों की नियुक्ति जल्द पूरी करने के निर्देश दिए गए। शिंदे ने निजी विकासकों के पास बकाया 667 संक्रमणकालीन मकानों के किराये की वसूली भी प्राथमिकता से करने को कहा।

वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बदलापुर के जोवेली में 4,590 और कल्याण के माणिवली में 5,330, कुल 9,920 किफायती मकान बनाने की योजना की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी परियोजनाओं में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वास्तुकारों व विकासकों को शामिल करने के निर्देश दिए।

# कुर्ला-ट्रॉम्बे के रेल पटरी किनारे बसे झोपड़ाधारकों का होगा पुनर्वास

## शिंदे एसआरए को डीपीआर बनाने का निर्देश, रेल मंत्री से भी की बात

**मुंबई, यशभारत।** कुर्ला-ट्रॉम्बे क्षेत्र में वर्षों से रेलवे पटरी के किनारे रह रहे झोपड़ाधारकों के पुनर्वास का रास्ता निकालने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने झोपड़पट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण (एसआरए) को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर पेश करने का निर्देश दिया है। उन्होंने इस मामले में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी फोन पर बात कर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।



बैठक में खारदेव नगर स्थित मनपा कर्मचारियों की पत्रा चॉल के पुनर्विकास और कर्मचारियों की आवासीय संस्थाओं पर लगने वाले प्रीमियम के लिए नई नीति बनाने पर भी चर्चा हुई। सेवानिवृत्त मनपा कर्मचारियों की पेंशन और आर्थिक लाभ रोकने के मामले में शिंदे ने सहानुभूतिपूर्वक विचार कर प्राथमिकता से प्रस्ताव पेश करने को कहा।

इसके अलावा नेहरूनगर, तिलकनगर और सहकारनगर की सीवरेज समस्याओं, रेलवे प्रभावितों के पुनर्वास तथा चांदिवली में खतरनाक बस्तियों को सुरक्षित स्थानों पर बसाने के मुद्दों पर भी अधिकारियों को स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए।

# सिद्धिविनायक मंदिर को सरकार की बड़ी सौगात

## 94 करोड़ की इमारत खरीद पर 2.32 करोड़ की स्टांप ड्यूटी माफ

**मुंबई, यशभारत।** प्रभादेवी स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और सुविधाओं की जरूरत को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने मंदिर ट्रस्ट को बड़ी राहत दी है। मंदिर के पास स्थित राम मेंशन को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी की इमारत खरीदने के सौदे पर लगने वाली 2 करोड़ 32 लाख 38 हजार 700 रुपए की स्टांप ड्यूटी माफ करने का निर्णय मंत्रिमंडल ने लिया है।

मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से 708 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली यह इमारत खरीदी है। इसमें 13 फ्लैट और सात दुकानें हैं। इस संपत्ति की कुल खरीद के लिए 94 करोड़ 11 लाख 65 हजार 550 रुपए के सौदे को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है।

इस इमारत का उपयोग श्रद्धालुओं की कतारों के बेहतर प्रबंधन, महाप्रसाद गृह, रसोईघर, यात्री निवास और सीमित पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित करने के लिए किया जाएगा।



मंगलवार, संकष्टी चतुर्थी, अंगारकी चतुर्थी और गणेशोत्सव के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में नई सुविधाओं से दर्शन व्यवस्था अधिक सुचारु होगी और भक्तों को भोजन तथा ठहरने की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। जनहित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्टांप ड्यूटी माफ करने का फैसला किया है।

# मुंबई में अवैध निर्माणों का बोलबाला

**मुंबई, यशभारत** देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी अवैध निर्माणों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही है। पिछले 10 वर्षों में शहर में करीब 30 हजार अवैध निर्माणों को तोड़ने योग्य पाया गया, लेकिन बीएमसी ने इनमें से केवल 13,211 मामलों में ही कार्रवाई की। सूचना के अधिकार (आरटीआई) से सामने आए इन आंकड़ों ने महानगरपालिका के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता शकील अहमद शेख को मिली जानकारी के अनुसार, 1 मार्च 2016 से 26 अक्टूबर 2026 के बीच अवैध निर्माणों को लेकर 2.10 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं। दोहराई गई शिकायतों को हटाने के बाद 98,689 शिकायतें जांच के लिए बचीं। इनमें 29,916 मामलों में अवैध निर्माण पाए गए, जिन पर तोड़फोड़ की जरूरत थी।

कुर्ला के एल वार्ड में सबसे ज्यादा 30,935 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन कार्रवाई केवल 637 मामलों में हुई। वहीं, मानखुर्द-गोवंडी के एम-ईस्ट वार्ड में 14,510 शिकायतों के बावजूद सिर्फ 159 निर्माणों पर कार्रवाई की गई।

संपादकीय

# तमसो मा ज्योतिर्गमय

दीपावली केवल दीप जलाने, घरों को सजाने और खुशियां बांटने का पर्व नहीं है। यह अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का जीवन-दर्शन है। उपनिषदों का कालजयी मंत्र 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, दीपावली की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। यह प्रकाश केवल घरों और रास्तों को रोशन करने तक सीमित नहीं है, अपितु मनुष्य के विचारों, विवेक, चेतना और कर्मों को भी प्रकाशित करने का संदेश देता है। आज न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। कहीं आर्थिक और सामाजिक असमानता है तो कहीं गरीबी और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव। आतंकवाद, युद्ध, हिंसा और आपसी वैमनस्य ने मानव जीवन की शांति को प्रभावित किया है। प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और नई-नई बीमारियां मानव सभ्यता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। विज्ञान और तकनीक में अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद यदि मनुष्य सुरक्षित व शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहा है तो हमें विकास की हमारी परिभाषा पर विचार करना होगा। दीपावली का वास्तविक प्रकाश तभी सार्थक होगा, जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी उसके उजाले का अनुभव कर सके। किसी घर में दीपों की कतार हो और उसी समाज में कोई व्यक्ति भूखा सोए, कोई इलाज के अभाव में दम तोड़े, कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहे या कोई परिवार भय और असुरक्षा में जीवन बिताए तो हमारी उत्सवधर्मिता अधूरी रह जाती है। सच्ची दीपावली वह है, जिसमें संपन्न व्यक्ति जरूरतमंद का सहारा बने, सक्षम व्यक्ति वंचितों को अवसर दे और समाज का प्रत्येक वर्ग एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बने। इस शुभ पर्व पर आत्मावलोकन की भावना को भी समझना होगा। आत्मावलोकन हमें अपने भीतर झांकने, अपनी कमियों को सुधारने और व्यवहार का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। वहीं अनुसंधान हमें समस्याओं के मूल कारणों तक पहुंचकर समाधान खोजने की दिशा दिखाता है। हर प्रकार के संकट से निपटने के लिए मानवीय संवेदना आवश्यक है। हमें अपने भीतर भी प्रकाश खोजना है और ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से सतत शोध करते हुए बाहरी दुनिया के अज्ञानरूपी अंधकार को भी दूर करना है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों, बड़ी इमारतों और आधुनिक सुविधाओं से नहीं मापी जा सकती। उसकी वास्तविक पहचान नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और सामाजिक सद्भाव से होती है। इसके लिए सरकार, सामाजिक संस्थाओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। विश्व शांति की स्थापना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इतिहास की कटु स्मृतियों और प्रतिशोध की भावना में उलझे रहने से भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता। अतीत से सबक लेकर ऐसी दुनिया बनानी होगी, जहां संवाद को संघर्ष पर, सहयोग को वैमनस्य पर और मानवता को संकीर्ण स्वार्थों पर प्राथमिकता मिले। आतंकवाद और हिंसा के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय एकजुटता आवश्यक है। भारत की प्राचीन अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' इसी वैश्विक चेतना का आधार है। पूरी पृथ्वी एक परिवार है तो उसकी समस्याएं भी हम सबकी साझा जिम्मेदारी हैं। किसी एक देश की पीड़ा से विश्व अछूता नहीं रह सकता। इसलिए शांति, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए राष्ट्रों को एक-दूसरे का सहयोगी बनना होगा। आइए, इस दीपावली पर हम केवल अपने घरों में दीप न जलाएं, अपने हृदय और समाज में भी प्रकाश फैलाएं। किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जलाएं, किसी जरूरतमंद की सहायता करें, किसी बीमार को उपचार में सहयोग दें और किसी भटके हुए मन को सद्भाव का रास्ता दिखाएं। अपने भीतर ज्ञान की ज्योति और समाज में समरसता की मशाल प्रज्वलित करें। हमारी कामना है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का संदेश मुंबई से महाराष्ट्र, भारत से लेकर संपूर्ण विश्व तक पहुंचे। मानवता सुरक्षित रहे, हर व्यक्ति को उन्नति का समान अवसर मिले और धरती पर प्रेम, शांति तथा सह-अस्तित्व की ज्योति सदैव प्रज्वलित रहे। यही दीपावली की सच्ची सार्थकता और विश्व शांति के लिए हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

## कड़वे वचन



तू बात बात में मुहुर्त मुहुर्त की बात करता है? अरे ये मुहूर्त मुहूर्त क्या होता है? जो काम जिस वक्त कर लो वही मुहूर्त है। रामचंद के राज्याभिषेक का बढ़िया मुहूर्त निकाला गया था पर अगले दिन क्या हुआ? सब मुहूर्त धरा का धरा रह गया। आपको पता है न जन्म का कोई मुहूर्त नहीं होता है और न मृत्यु का कोई मुहूर्त होता है फिर ये बीच के जीवन में मुहूर्त का चक्कर क्यों?

## आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-7 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

**मेष** चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ

बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

**वृष** इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह

दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

**कर्क** ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

**सिंह** मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

**कन्या** टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

**तुला** रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

**वृश्चिक** ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

**धनु** ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

**मकर** भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

**कुंभ** गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

**मीन** दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

# नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

**(नरक चतुर्दशी (छोटी दीवाली) पर विशेष)**



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सदुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

**(लेखक- योगेश कुमार गोयल )**

# नवजातों को मोबाइल की लत बहुत गलत?



नवजात को मोबाइल मत दीजिये, यह बहुत घातक है। मोबाइल की लत बहुत गलत है। आज का सबसे बड़ा तमाशा देखिए। बच्चा पैदा होते ही रोया भी नहीं कि उसकी फोटो खिंच गई। एक सेकंड में व्हाट्सएप पर, फेसबुक पर, इंस्टाग्राम पर। अस्पताल के बेड से ही स्टेटस लग गया - हमारे घर लक्ष्मी आई, हमारे घर गणेश आया। हमने सोचा हमने प्यार बांटा, पर हमने जन्म लेते ही नवजात को मोबाइल की घातक किरणों के सामने खड़ा कर दिया। जिस बच्चे को मां की गोद की गर्मी और मां का आंचल चाहिए था, उसे सबसे पहले कैमरे का फ्लैश और स्क्रीन की नीली रोशनी दे दी।

और यहीं से लत की शुरुआत हो जाती है। हम खुद ही उसके जीवन की पहली लत के सौदागर बन जाते हैं।

आज हर घर में यही है। 6 महीने का बच्चा गोद में है, हाथ में मोबाइल है। बच्चा रोया, मोबाइल। खाना नहीं खाया, मोबाइल। मां को रसोई का काम करना है, मोबाइल। पिता थक गए हैं, मोबाइल। हम समझते हैं बच्चा संभल गया, पर सच यह है कि हमने कच्ची मिट्टी जैसे बच्चे को घातक किरणों के हवाले कर दिया है। यह संभलना नहीं है, यह जड़ होना है।

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली घातक किरणें सीधे उसकी नाजुक आंखों पर वार करती हैं। उसकी आंखें अभी बन रही हैं, परदे बहुत कोमल हैं। यह तेज नीली रोशनी उसकी आंखों के परदे को जला रही है। आंखों की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं। तभी तो आज 2-2 साल के बच्चों को मोटा चश्मा लग रहा है। डॉक्टर के क्लिनिक में बच्चों की लाइन लगी है। पहले बच्चे मोतियाबिंद बुढ़ापे में सुनते थे, आज बच्चे बचपन में ही आंखों की बीमारी के शिकार हो रहे हैं। यही किरणें उसकी नींद छीन लेती हैं। मोबाइल की रोशनी दिमाग को दिन-रात का फर्क भूलवा देती है। मेलाटोनिन हार्मोन बनना बंद हो जाता है। बच्चा रात भर जागता है, दिन भर चिड़चिड़ा रहता है, रोता रहता है और मां-बाप समझ ही नहीं पाते कि बच्चा क्यों रो रहा है।

सबसे बड़ा घात उसके दिमाग और बोलने पर हो रहा है। जिस उम्र में उसे मां की लोरी, पिता की आवाज, दादी की कहानी, नानी की थाप सुननी चाहिए, उस उम्र में वह मोबाइल के तेज रंग और तेज शोर में कैद है। वह देखता नहीं, सम्मोहित होता है। कार्टून तेजी से भागते हैं, आवाजें चीखती हैं, उसका छोटा दिमाग उस रफ्तार को पकड़ नहीं पाता। इसीलिए वह चुप हो जाता है और हम मूर्खों की तरह खुश होते हैं कि देखो, हमारा बच्चा कितना समझदार है, बिना रोये मोबाइल देख रहा है। पर यह समझदारी नहीं, जड़ता है। यह शांत होना नहीं, सन्न होना है। इसका सीधा नतीजा है कि बच्चे देर से बोल रहे हैं। 3 साल का बच्चा है पर मां नहीं बोल पाता। लोगों से घुल-मिल नहीं रहे, आंख से आंख नहीं मिलाते, अकेले बैठे रहते हैं, छोटी बात पर जमीन पर लोट-लोट कर भड़क जाते हैं। बड़े-बड़े बाल रोग विशेषज्ञ और मनोचिकित्सक साफ कह रहे हैं, छोटे बच्चों में ऑटिज्म, एडीएचडी और बोलने में देरी का एक बड़ा कारण यह मोबाइल ही है। हम अपने हाथों से अपने बच्चे को बीमार बना रहे हैं।

पहले बच्चा रोता था तो घर के दस हाथ उसे संभालने आते थे। दादी लोरी गाती थी, नानी कहानी सुनाती थी, बुआ गोद में लेती थी, पिता कंधे पर घुमाता था। चाचा उंगली पकड़ कर चलाता था। उससे रिश्ते बनते थे, संस्कार बनते थे, बच्चा सामाजिक बनता था। आज रोते ही एक ही हाथ आता है, मोबाइल वाला। न लोरी रही, न कहानी, न दादी का प्यार, न नानी का दुलार। बच्चा परिवार से नहीं, स्क्रीन से जुड़ गया। वह मां को नहीं पहचानता, मोबाइल को पहचानता है। यह कितनी बड़ी त्रासदी है।

और उसका खेलना-कूदना, भागना-दौड़ना तो खत्म ही हो गया। जो बच्चा मिट्टी में खेलता था, मिट्टी से ही उसका शरीर मजबूत होता था, इम्यूनिटी बनती थी। जो भागता था, गिरता था, उठता था, उससे उसकी हड्डियां मजबूत होती थीं। वही बच्चा अब एक कोने में बैठा, गर्दन झुकाए, आंखें गड़ाए मोबाइल घिस रहा है। न धूप लग रही है, न हवा। शरीर कमजोर, हड्डियां कमजोर, आंखें कमजोर और बचपन सबसे ज्यादा कमजोर। बचपन तो रहा ही नहीं।

हम कहते हैं, मिट्टी मत खा, बीमार हो जाएगा। धूल में मत जा, बीमार हो जाएगा। बाहर का मत खा, बीमार हो जाएगा। हम इतने सजग हैं। पर बच्चा रोज घंटों तक स्क्रीन का मानसिक जहर खा रहा है, उसका दिमाग सड़ रहा है, उससे नहीं डरते। यह कौन सी सजगता है?

सोशल मीडिया पर फोटो डालने की होड़ ने तो हद ही कर दी है। बच्चे का हर रोना, हर हंसना, हर नहाना, हर खाना हमने दुनिया को दिखा दिया। हमने कभी सोचा कि उस फोटो के साथ कितनी घातक किरणें, कितनी बुरी नजरें, कितना डेटा उस बच्चे से चिपक रहा है? वह बच्चा अभी इस दुनिया को समझा भी नहीं और हमने उसे पूरी दुनिया के सामने परोस दिया। उसकी सुरक्षा, उसकी मासूमियत, सब खतरे में डाल दी।

एक घंटे का सुकून पाने के लिए आप उसके जीवन भर की एकाग्रता, उसकी आंखें, उसकी जुबान और उसका बचपन दांव पर लगा रहे हैं। वह एक घंटा आपको आराम देगा, पर वह बच्चा जीवन भर आपको परेशान करेगा, क्योंकि आपने उसकी नींव ही कमजोर कर दी।

अभी संभलने का समय है, कहीं देर न हो जाये। ताउम्र पछताओगे, सिर पटकोगे जब बच्चे अपंग होंगे, आंखों की बीमारी होगी, दिमाग कमजोर होगा और बोलने में पिछड़ जाएंगे।

इसलिए हाथ जोड़कर कह रहा हूं - जन्म लेते ही उसकी फोटो सोशल मीडिया पर डालना बंद कीजिए। उसकी नजर उतारने से पहले ही दुनिया की नजर में लाना बंद कीजिए। कम से कम पहले 5 साल तक तो उसे मोबाइल से दूर रखिए। उसे कहानी सुनाइए, लोरी सुनाइए, मिट्टी में खेलने दीजिए, पेड़ दिखाइए, चिड़िया दिखाइए। रोये तो गोद में लीजिए, मोबाइल मत दीजिए। और नवजात के हाथ में तो बिल्कुल मोबाइल मत दीजिए। यह खिलौना नहीं, बहुत घातक लत है।

**(लेखक- नरेंद्र भारती )**

# बदलते युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत की सैन्य शक्ति को नई उड़ान

**ड्रोन मिसाइल और आधुनिक रक्षा तकनीक से मजबूत होगी राष्ट्रीय सुरक्षा**



युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी युद्ध का फैसला सैनिकों की संख्या, बंदूकों और तोपों की ताकत से होता था, लेकिन आज आधुनिक तकनीक ने युद्ध के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। अब आसमान से निगरानी, ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और हवाई रक्षा प्रणाली किसी भी देश की सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ तकनीकी क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत भी बदलती परिस्थितियों को समझते हुए अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बदलते सैन्य परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए भारतीय सेनाओं को केवल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री का यह संदेश बताता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को समय के साथ अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। भारत का रक्षा बजट वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा बजट में यह बढ़ोतरी केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सेना की परिचालन क्षमता, आधुनिक तकनीक, स्वदेशी उत्पादन और राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे ढांचे को मजबूत करना है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी सीमाएं सुरक्षित हों और उसकी रक्षा व्यवस्था किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो।भारत के लिए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46,429 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश की बड़ी कंपनियों के साथ छोटे और मध्यम उद्योग भी रक्षा उत्पादन में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारतीय तकनीकी क्षमता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में नई सैन्य संरचनाओं के विकास का भी उल्लेख किया। इनमें अग्नि प्लाटून, भैरव बटालियन और शक्तिबाण रेजिमेंट विशेष महत्व रखती हैं। ये नई सैन्य संरचनाएं बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप सेना की क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। अग्नि प्लाटून के माध्यम से पैदल सेना की प्रत्येक बटालियन को अपनी ड्रोन इकाई उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य सैनिकों को निगरानी और सूचनाओं के लिए अन्य सैन्य संसाधनों पर पूरी तरह निर्भर रहने से बचाना है। आधुनिक युद्ध में समय पर सही जानकारी मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ड्रोन तकनीक इस दिशा में सेना की सहायता कर सकती है।

भैरव बटालियन को पैदल सेना और विशेष बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सेना की विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जवानों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास है। इससे विशेष बलों को अधिक जटिल और रणनीतिक महत्व वाले अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। सेना की योजना ऐसी 25 बटालियन तैयार करने की है। वहीं शक्तिबाण रेजिमेंट आधुनिक तकनीक और ड्रोन आधारित सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन तीनों संरचनाओं का उद्देश्य सेना को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाना है।आज आसमान से निगरानी और आधुनिक हवाई सुरक्षा किसी भी देश की रक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय रहते पता लगाने में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता बढ़ी है। भारत ने भी अपनी हवाई रक्षा प्रणाली, मिसाइल क्षमता और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके पास उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग पर भी निर्भर करती है।

भारत के सामने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। वहीं चीन के साथ सीमा पर सतर्कता और रणनीतिक तैयारी आवश्यक है। ऐसे में भारत की सैन्य शक्ति का आधुनिकीकरण किसी देश को चुनौती देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता, सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। भारत की नीति शांति, संवाद और सहयोग की रही है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। जो देश अपनी रक्षा के लिए सक्षम होता है, उसकी कूटनीतिक स्थिति भी अधिक मजबूत होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को लगातार आगे बढ़ाया गया है। स्वदेशी हथियारों, रक्षा उपकरणों, तकनीकी अनुसंधान और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने से भारत की रक्षा क्षमता में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि भारतीय सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार देश में ही आधुनिक तकनीक विकसित हो और विदेशी निर्भरता धीरे-धीरे कम हो। यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।

जैसलमेर की बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से आधुनिकीकरण पर प्रस्तुतीकरण देने को कहा और सदस्यों के सुझावों पर यथासंभव अमल करने का आश्वासन दिया। इससे स्पष्ट है कि रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सरकार विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श और संस्थागत सुधारों को भी महत्व दे रही है। भारत की सैन्य शक्ति का वास्तविक उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि युद्ध की आशंका को रोकना और देश में शांति बनाए रखना है। सीमाएं सुरक्षित रहेंगी तो विकास की गति भी निर्बाध बनी रहेगी। किसान खेतों में उत्पादन कर सकेंगे, उद्योग आगे बढ़ेंगे, व्यापार का विस्तार होगा और नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपना जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आज आवश्यकता है कि सेना को आधुनिक संसाधन, स्वदेशी तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिलता रहे। बदलते समय में वही राष्ट्र अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जो भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी करता है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। मजबूत सेना, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के समन्वय से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

**(लेखक- कांतिलाल मांडोत )**

# व्यापारियों के लिए हमेशा मुफ्त नहीं मिल सकता यूपीआई

## सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में साफ किया है कि व्यापारियों को हमेशा मुफ्त यूपीआई लेनदेन की सुविधा का स्थायी भरोसा कभी नहीं दिया गया था। सरकार ने 2,000 रुपये से अधिक के कुछ यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट(एमडीआर) लगाने के अपने प्रस्ताव का बचाव किया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने जवाबी हलफनामे में सरकार ने दलील दी कि शून्य एमडीआर व्यवस्था को जारी रखने का कोई विशेष आश्वासन नहीं था। यह व्यवस्था सरकार के विवेक पर निर्भर सब्सिडी थी, अनिवार्य नहीं। केंद्र ने चार नवंबर को दाखिल हलफनामे में बताया कि एमडीआर की संशोधित व्यवस्था पर इसे लागू करने से काफी पहले विचार शुरू हो गया था और संबंधित पक्षों से चर्चा भी हुई थी।



यह जवाब वकील अंजन दत्ता की जनहित याचिका के संबंध में दिया गया है, जिसमें संशोधित एमडीआर व्यवस्था को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14 और 19(1)(जी) के तहत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है। इसके जवाब में, केंद्र ने कहा कि एमडीआर की संशोधित व्यवस्था कारोबारियों के व्यवसाय करने के अधिकार पर कोई अनुचित पाबंदी नहीं लगाती। सरकार के मुताबिक, संविधान यह गारंटी नहीं देता कि कारोबार से जुड़ी सुविधाएं हमेशा मुफ्त ही उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी शुल्क के कारण कारोबारी के मुनाफे में कमी आना अपने आप में मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है और कारोबारी एमडीआर का बोझ ग्राहकों पर भी नहीं डाल सकते। सरकार ने लेनदेन की रकम, भुगतान के तरीके और कारोबारी श्रेणी के आधार पर अलग-अलग व्यवस्था को उचित ठहराया। 2,000 रुपये की सीमा इसलिए तय की गई है ताकि आम खुदरा लेनदेन और छोटे कारोबारियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। केंद्र ने दलील दी कि एमडीआर न तो सरकार का टैक्स है और न ही सरकारी फीस। यह एक कारोबारी भुगतान है, जिसे बैंक और व्यापारी के बीच हुए समझौते के तहत काटा जाता है।सितंबर 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने अंजन दत्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए संशोधित एमडीआर व्यवस्था पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, लेकिन केंद्र सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। एनपीसीआई ने भी सुप्रीम कोर्ट में अपना हलफनामा दाखिल कर प्रस्तावित शुल्क का बचाव किया है। उसके अनुसार, एनपीसीआई का असर पी टू एम लेनदेन के केवल एक छोटे हिस्से पर पड़ेगा, जिससे लगभग 96 प्रतिशत लेनदेन अप्रभावित रहेंगे। सरकार ने डिजिटल भुगतान व्यवस्था को बनाए रखने के लिए स्थायी वित्तपोषण मॉडल की आवश्यकता पर जोर दिया। शून्य एमडीआर व्यवस्था के तहत, वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 के बीच बैंकों को 8,730 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन दिए गए थे, जो अनुमानित सालाना परिचालन लागत (20,700 करोड़ रुपये) का एक छोटा हिस्सा ही था।



## भाजपा से नहीं हम सुप्रीम कोर्ट से हारे हैं: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। राज्य में कई सालों तक सरकार चलाने वाली पार्टी के भीतर टूट की खबरें सामने आ रही हैं, जहां 50 से अधिक विधायक और 20 सांसद दूसरे दलों में जा चुके हैं। इसी बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी से नहीं, बल्कि देश के सर्वोच्च न्यायालय से चुनाव हारी है।

बनर्जी ने अपने निजी सहायक सुमित रॉय की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए इसे झूठा मामला बताया और राज्य के गृहमंत्री को तत्काल हटाए जाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाए कि 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान अदालतों की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों और मतगणना के नियमों की अनदेखी की गई। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के कार्यप्रणाली पर भी आपत्ति जाहिर की। अभिषेक बनर्जी ने साफ शब्दों में कहा, हम बंगाल भाजपा से नहीं, बल्कि भारत के सुप्रीम कोर्ट से हारे हैं। हमें लगा था कि देश की सबसे बड़ी अदालत कोई निर्देश देती है, तो सरकार उसे मानने के लिए मजबूर होगी, फिर भी सरकार ने अदालत के अपने ही दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, सरकार या चुनाव आयोग खुद संज्ञान लें और मेरे खिलाफ कार्रवाई शुरू करें। मैं अपना पक्ष खुद रखूंगा। मैं सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को लड़ूंगा और खुद वहां पेश होऊंगा। देश की जनता को खुद देखने दीजिए। इस कार्यवाही को लाइव दिखाया जाए। आपके एक भी दिशा-निर्देश का पालन नहीं किया गया।ईवीएम को लेकर भी बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मतगणना 4 तारीख को होनी थी, जबकि 2 तारीख को सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि रैंडमाइजेशन प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि रैंडमाइजेशन में राज्य और केंद्र दोनों के अधिकारियों की भागीदारी जरूरी होती है, फिर भी मतगणना प्रक्रिया में राज्य का एक भी अधिकारी शामिल नहीं था।

## रिपब्लिकन की हार के बाद मस्क ने ट्रम्प के समर्थन वाले पोस्ट हटाए, संपत्ति में ?2.8 लाख करोड़ की गिरावट

वॉशिंगटन डीसी। , एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को करारी शिकस्त मिलने के बाद अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने भी अपने रुख में बदलाव के संकेत दिए हैं। मस्क ने चुनाव के दौरान रिपब्लिकन उम्मीदवारों के समर्थन में सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट डिलीट कर दिए हैं। चुनाव प्रचार में मस्क ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों के पक्ष में कम से कम 458 मिलियन डॉलर यानी करीब 4400 करोड़ रुपए खर्च किए थे। इसके बावजूद पार्टी को चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। चुनाव परिणामों के बाद मस्क की संपत्ति में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुमान के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ करीब 2.8 लाख करोड़ रुपए घट गई है।मिडटर्म चुनाव के नतीजों ने अमेरिकी राजनीति की तस्वीर बदल दी है। प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में डेमोक्रेटिक पार्टी ने स्पष्ट बढ़त हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। सदन की सभी 435



सीटों पर चुनाव हुए थे। अब तक घोषित नतीजों में डेमोक्रेट्स को 253 और रिपब्लिकन को 157 सीटें मिली हैं, जबकि 25 सीटों पर नतीजे आना बाकी हैं। हाउस में बहुमत के लिए 218 सीटों की जरूरत होती है।सीनेट में भी डेमोक्रेटिक पार्टी मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। कुल 100 सीटों वाले उच्च सदन की 35 सीटों पर चुनाव हुए थे। इनमें से 33 के नतीजे घोषित हो चुके हैं। डेमोक्रेट्स ने 20 और रिपब्लिकन ने 13 सीटें जीती हैं। शेष दो सीटों पर नतीजे आने बाकी हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन के पास 44 सीटें हैं। बहुमत के लिए 51 सीटों की आवश्यकता होती है। गवर्नर चुनाव में भी रिपब्लिकन पार्टी को झटका लगा है। कुल 36 राज्यों में गवर्नर पद के लिए चुनाव हुए, जिनमें से 34 के नतीजे घोषित हो चुके हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने 22 और रिपब्लिकन ने 12 राज्यों में जीत दर्ज की है। दो राज्यों के नतीजे अभी लंबित हैं।चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रम्प प्रशासन में इस्तीफों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। भारतीय मूल की हरमीत कौर ढिल्लों ने अमेरिकी न्याय विभाग के सिविल राइट्स डिवीजन के प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया है।

## एएमयू छात्रसंघ चुनाव: नोमान अध्यक्ष, नशरा उपाध्यक्ष और हमदान सचिव चुने गए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय छात्रसंघ (एएमयूएसयू) के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। नोमान अशरफ ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की, जबकि नशरा नईम उपाध्यक्ष और मोहम्मद हमदान सचिव चुने गए। नशरा नईम छात्रसंघ की पहली महिला उपाध्यक्ष बनी हैं। करीब आठ साल बाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ की वापसी हुई है।अध्यक्ष पद पर नोमान अशरफ को 7,797 वोट मिले। उन्होंने मोहम्मद इंतखाब को पराजित किया। उपाध्यक्ष पद पर नशरा नईम और सचिव पद पर मोहम्मद हमदान विजयी रहे। चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए नौ, उपाध्यक्ष के लिए सात और सचिव पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में थे। एएमयूएसयू चुनाव के लिए 5 नवंबर को 13 मतदान केंद्र बनाए गए थे। सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान हुआ, जिसमें करीब 22 हजार छात्र-छात्राओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसके बाद शाम सात बजे एनआरएससी क्लब में मतगणना शुरू हुई।विश्वविद्यालय की चुनावी परंपरा के तहत प्रत्याशियों की अंतिम स्पीच भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। मतदान से पहले गुरुवार रात उम्मीदवारों ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी थी। चुनाव की मांग को लेकर छात्र पिछले दिनों प्रदर्शन भी कर चुके थे। अब परिणाम आने के बाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ की औपचारिक गतिविधियां फिर शुरू होने की उम्मीद है।

## प्रेमानंद के आश्रम में मिला प्रयागराज से लापता ग्राम प्रधान परिवार ने हत्या की आशंका जताई थी

प्रयागराज(ईएमएस)। प्रयागराज से लापता हुए मनसैता गांव के ग्राम प्रधान जानकीनाथ यादव एक सप्ताह बाद वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम में सकुशल मिल गए हैं। उनके परिवार ने जानकीनाथ की हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई थी। जानकीनाथ यादव 29 अक्टूबर की शाम को लुंगी-बनियान में अपने घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए थे। परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और 30 अक्टूबर को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज



कराई। तीन नवंबर को, परिवार ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण और हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए थरवई थाने में एफआईआर दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और प्रधान की तलाश तेज कर दी।गुमशुदगी के बाद पुलिस ने प्रधान की तलाश में व्यापक अभियान चलाया। डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि प्रधान की तलाश के लिए पुलिस की 13 टीमें लगाई गईं। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, ड्रोन और डॉग स्क्वायड की मदद ली, और एसडीआरएफ की सहायता से मनसैता नदी में भी खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। हालांकि, चार नवंबर की रात को जानकीनाथ ने एक नया सिम खरीदकर अपने चाचा और थरवई थाना प्रभारी को फोन किया। उन्होंने बताया कि वह वृंदावन में संत प्रेमानंद के आश्रम में हैं। सूचना मिलते ही थरवई पुलिस टीम तुरंत वृंदावन पहुंची और जानकीनाथ यादव को सकुशल बरामद किया। गुरुवार को उन्हें प्रयागराज लाकर परिजनों को सौंप दिया गया, जिससे परिवार ने राहत की सांस ली। पुलिस की पूछताछ में जानकीनाथ ने बताया कि परिवार के सदस्यों से कहासुनी और विवाद के चलते वे नाराज होकर घर से निकल गए थे।

### चीन में लद्दाख सीमा के पास 5 तीव्रता का भूकंप, जम्मू-कश्मीर तक महसूस हुए झटके

**नई दिल्ली,ईएमएस।** चीन से लगी लद्दाख सीमा के पास गुरुवार रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.0 दर्ज की गई। रात 10 बजकर 26 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र चीन के शिनजियांग क्षेत्र में था, जो लेह-लद्दाख से करीब 167 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर तक महसूस किए गए। हालांकि, फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना सामने नहीं आई है।

### पटना में 3 शूटर ढेर
### 20 मिनट चली मुठभेड़:पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग



**पटना, एजेंसी।** पटना में शुक्रवार को पुलिस ने 3 अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया। पटना स्स्क्कार्तिकेय शर्मा ने बताया, सुबह करीब 4.30 बजे हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में राजा शर्मा, बबलू कुमार, जेपी यादव घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, तीनों पेशेवर शूटर थे और सुपारी लेकर मर्डर करते थे।करीब 20 मिनट तक दोनों ओर से गोलीबारी हुई। जवाब में पुलिस की ओर से 18 राउंड गोलियां चलाई गईं। मुठभेड़ में मनेर थाना के स।ह रजनीश कुमार भी जख्मी हुए हैं। उनके हाथ में गोली लगी है। घटना मनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर गंगा घाट के पास की है। मौके से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टा बरामद हुआ है।मारे गए आरोपियों के परिजन अस्पताल में हंगामा कर रहे हैं। पुलिस के साथ हाथापाई हुई है। पथराव किया गया है, गाड़ियों के शीशे फोड़े गए हैं। परिजन एनकाउंटर को गलत बता रहे हैं। माहौल तनावपूर्ण है। पुलिस-प्रशासन जवाब दो के नारे लगाए जा रहे हैं।

## अब घंटों का सफर होगा आसान, एमपी में बिछेगा 1,398 कि.मी. का एक्सप्रेस-वे जाल



### 5 नए कॉरिडोर से इन 10 शहरों को मिलेगा फायदा

**भोपाल, यशभारत।** मध्यप्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार 63,296 करोड़ रुपये की लागत से 1,398 किलोमीटर लंबे पांच नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित करने जा रही है। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच आवागमन तेज और सुगम होगा। भोपाल से मंदसौर, भोपाल से ग्वालियर, सागर से सतना, जबलपुर से आशापुर और कटनी से सिंगरौली तक बनने वाले ये कॉरिडोर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ेंगे। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार, कृषि उत्पादों के परिवहन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने और प्रस्तावित कॉरिडोर की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं और सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक गांव, कस्बे और शहर को बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध कराना है।

### चार लेन के होंगे सभी पांच कॉरिडोर

बैठक में इन पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। प्रस्तावित सभी मार्ग चार लेन के एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर होंगे। इनमें पेड शोल्डर की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इससे तेज रफ्तार यातायात के साथ सड़क सुरक्षा और वाहनों की आवाजाही को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। परियोजनाओं में भोपाल-मंदसौर कॉरिडोर की लंबाई 258 किलोमीटर, सागर-सतना की 227 किलोमीटर, जबलपुर-आशापुर की 358 किलोमीटर, भोपाल-ग्वालियर की 320 किलोमीटर और कटनी-सिंगरौली कॉरिडोर की लंबाई 235 किलोमीटर प्रस्तावित है। इस तरह कुल 1,398 किलोमीटर का नया सड़क नेटवर्क तैयार होगा।

## नेतन्याहू की हार से खुश सौरभ बोले- अभी अंजाम और बुरा होगा

नई दिल्ली(ईएमएस)। इजरायल में बेंजामिन नेतन्याहू के सरकार बनाने की दौड़ में पिछड़ने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरभ दास ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने नेतन्याहू के लिए और भी बुरे अंजाम की कामना की है। दास ने नेतन्याहू को नरसंहार करने वाला बताते हुए कहा कि यह गाजा और फिलिस्तीन में मारे गए लोगों को याद करने का दिन है। उन्होंने अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा, कितनी खुशी का दिन है। साथ ही उन सब लोगों को याद करने का दिन भी है जो नरसंहार करने वालों के हाथ गाजा, फिलिस्तीन में मारे गए। आशा है कि यह और आगे बढ़े और बेंजामिन नेतन्याहू का अंजाम उससे भी बुरा हो जो उन्होंने बेकसूर लोगों का किया। गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप को लगे झटकों पर भी सीजेपी के नेता खुशी जाहिर कर चुके हैं।इजरायल में हुए ताजा चुनाव के बाद अब सरकार गठन की कवायद तेज हो गई है, जिसमें पूर्व इजराइल रक्षा बल प्रमुख गादी आइजेनकोट प्रधानमंत्री पद की दौड़ में बेंजामिन नेतन्याहू से आगे निकल गए हैं। आंकड़ों के अनुसार, आइजेनकोट को 67 सांसदों का समर्थन मिलने की उम्मीद है, जबकि देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे नेतन्याहू को केवल 46 सांसदों का ही समर्थन मिलने की संभावना है। नेतन्याहू के लंबे समय के सहयोगी दल यूनाइटेड तोराह जुडाइज्म (यूटीजे) ने किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं करने का फैसला किया है, जिससे उनकी राह और मुश्किल हो गई है।



## भारत ने किया प्रलय क्रूज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, इसकी खूबी दुश्मन को करेगी परेशान



**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने गुरुवार को ओडिशा के तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से एक्सलयज नामक क्रूज़-बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को सुबह लगभग 11.10 बजे इस बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज द्वारा तैनात विभिन्न उपकरणों से मिले डेटा से पुष्टि हुई है कि परीक्षण के सभी लक्ष्य पूरे कर लिए गए हैं। इस मिसाइल को हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (RCI) और DRDO ने स्वदेशी तकनीक से विकसित किया है। इसके विकास और उत्पादन में साझेदार रही भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने इस सिस्टम का निर्माण किया है। यह उड़ान परीक्षण प्यूज़र इवैल्यूएशन ट्रायलज़ (उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षण) के हिस्से के रूप में किया गया, जिसमें DRDO के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और रक्षा बलों के सदस्य मौजूद थे। इस सफल परीक्षण के बाद अब इस सिस्टम को सेना में शामिल किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए DRDO और सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों से लैस यह मिसाइल, उभरते खतरों के खिलाफ सेना की तकनीकी क्षमताओं और परिचालन तैयारियों को और मजबूत करेगी।

## रात में 3 और दिन में 5 रुपए में तय की जाए ईवी चार्जिंग यूनिट: गडकरी

### - पेट्रोल कारों से हजारों की बचत का दावा, वैकल्पिक ईंधनों पर भी सरकार का जोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की रफ्तार तेज करने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए रात में 3 रुपये प्रति यूनिट और दिन में 5 रुपये प्रति यूनिट बिजली की दर तय की जाए। इस कदम का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को आम जनता के लिए और अधिक किफायती बनाना और उनकी पहुंच बढ़ाना है। इस प्रस्ताव से इलेक्ट्रिक वाहन चलाना लोगों के लिए बेहद किफायती हो जाएगा। गडकरी के अनुमान के अनुसार यदि एक इलेक्ट्रिक कार एक यूनिट बिजली में 5 किलोमीटर चलती है, तो 1,000



किलोमीटर की दूरी तय करने में उसे मात्र 200 यूनिट बिजली की आवश्यकता होगी। रात में 3 रुपये प्रति यूनिट की दर से यह खर्च केवल 600 रुपये बैठेगा। इसकी तुलना में, 15 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देने वाली पेट्रोल कार से इतनी ही दूरी तय करने पर मुंबई के अनुमानित पेट्रोल दरों के अनुसार करीब 7,414 रुपये खर्च होंगे। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि इलेक्ट्रिक कार से लगभग 6,814 रुपये की भारी बचत हो सकती है। मंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भी इसी तरह के अलग-अलग दरों का सुझाव दिया है, जिसमें दिन के समय सौर ऊर्जा का उपयोग करने और रात में सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को बढ़ावा देने में लिथियम-आयन बैटरी की गिरती कीमतें भी अहम भूमिका निभा रही हैं, जो पहले 150 डॉलर प्रति किलोवाट घंटा थी और अब घटकर करीब 50 डॉलर रह गई हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के अलावा, सरकार इथेनॉल और हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक ईंधनों को भी तेजी से बढ़ावा दे रही है। गडकरी ने बताया कि 100 प्रतिशत बायोइथेनॉल से चलने वाली टोयोटा इनोवा का उपयोग करने का खर्च पेट्रोल के 25 रुपये प्रति लीटर के बराबर आता है।

## मेडिकल डिवाइस से गंभीर नुकसान के मामले तीन गुना बढ़े, 2025 में 2,176 घटनाएं दर्ज

*नई दिल्ली, यशभारत।* *देश में मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल से मरीजों को होने वाले गंभीर नुकसान के मामलों में पिछले छह वर्षों में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020 में ऐसे 808 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर 2,176 हो गए। वर्ष 2020 से अब तक कुल 9,373 गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। इन आंकड़ों का पहली बार सूचना का अधिकार (आरटीआई) के जरिए खुलासा हुआ है।*



एक अंग्रेजी दैनिक की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश के बाद इंडियन फार्माकोपिया कमीशन (आईपीसी) ने यह जानकारी उपलब्ध कराई। केंद्रीय सूचना आयुक्त जया वर्मा सिन्हा ने 10 सितंबर को आदेश जारी कर गंभीर घटनाओं का ब्योरा देने के निर्देश दिए थे। गंभीर घटनाओं में मरीज की जान को खतरा, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने या स्थायी शारीरिक नुकसान जैसी स्थितियां शामिल हैं। आईपीसी देशभर के 775 निगरानी केंद्रों से मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की जानकारी जुटाता है। इसके बावजूद शिकायतों और नियामकीय कार्रवाई के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 14,584 घटनाएं दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से केवल 22 मामले आगे की कार्रवाई के लिए सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन को भेजे गए।

# इस प्रकार शुरुआत में कैंसर का पता चलेगा



*नई दिल्ली, एजेंसी।कैंसर एक ऐसी जानलेवा बीमारी है जिसका इलाज बेहद ही मुश्किल और दर्दनाक है। कई तरह के कैंसर ऐसे भी होते हैं, जिनका कोई इलाज ही नहीं है। इसीलिए शुरुआत में ही लक्षणों को पहचानकर अगर हम डॉक्टर के पास जायें तो कैंसर की रोकथाम की जा सकती है। इसके लिए आपको थोड़ा सतर्क और जागरुक रहना पड़ेगा। अगर आपको कोई भी दिक्कत बार-बार होती है, तो इसे हल्के से नहीं लेते हुए अपने डॉक्टर से ज़रूर संपर्क करें। ये हैं कैंसर की शुरुआत भी हो सकती है। अगर आपको अक्सर सांस लेने में दिक्कत होती है और सांस लेते वक्त आवाज़ भी सुनाई देती है, तो यह फेफड़े के कैंसर की शुरुआत के संकेत हो सकते हैं।*

## सीने में दर्द और लंबी खांसी

कैंसर के कई मरीज़ बाजू और सीने में दर्द की शिकायत करते हैं। ये ट्यूमर और रक्त कैंसर (ल्यूकेमिया) का संकेत हो सकता है।

## बार-बार संक्रमण और बुखार

ल्यूकेमिया के शुरुआती दिनों में मरीज़ को बार-बार इंफेक्शन और बुखार होता है। ऐसा इसीलिए, क्योंकि शरीर में सफेद रक्त कणों की गिनती सामान्य नहीं रहती। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति भी प्रभावित होती है ऐसे में बुखार और संक्रमण बार -बार होने लगता है। गले का कैंसर होने पर मरीज़ को खाना निगलने में दिक्कत होती है। बांहों के नीचे या गर्दन पर सूजन लिम्फ नोड्स बीन्स की शेप में ग्लैंड्स होते हैं। कैंसर के शुरू होने पर यह सूज सकते हैं और अंडरआर्म के नीचे या गर्दन पर देखे जा सकते हैं।

## चोट लगना और खून निकलना

ल्यूकेमिया के कारण लाल रक्त कण और प्लेटलेट्स में बदलाव हो सकता है, जिससे रक्त स्राव (ब्लीडिंग) का भी खतरा बढ़ जाता है।

## हमेशा थकान रहना

जब शरीर ज़रूरत से ज़्यादा काम करता है, तब तो थकान होती ही है, पर थकान का हमेशा रहना भी कैंसर का संकेत हो सकता है।

## पेट के निचले हिस्से में दर्द

कैंसर की शुरुआत में पेट के निचले हिस्से में दर्द रहता है और पेट फूला-फूला भी रहता है। यह ओवेरियन कैंसर का संकेत हो सकता है।

## पेट का फूलना और वज़न बढ़ना

अगर आपका पेट अक्सर फूला रहता है और आप बिना किसी वजह के फूलते जा रहे हो, तो यह भी ओवेरियन कैंसर के लक्षण हो सकते हैं।

## पीठ के निचले हिस्से में दर्द

कैंसर की शुरुआत में पीठ के निचले हिस्से में अक्सर दर्द रहता है। यह ब्रेस्ट ट्यूमर का भी लक्षण हो सकता है या लिवर कैंसर का भी। इसीलिए, अगर आपको अक्सर इस जगह दर्द रहती है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

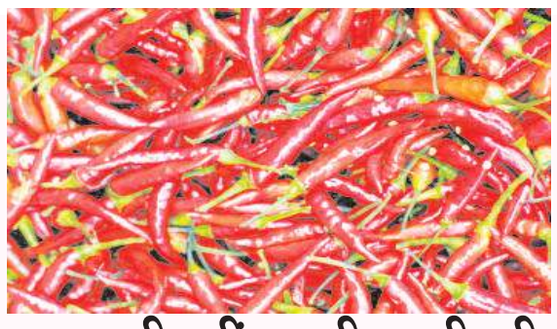
# विटामिन बी3 से आंखों में ग्लॉकोम का खतरा होता है कम



**नई दिल्ली, एजेंसी।** पानी में विटामिन बी3 डालने से आंख की रोशनी कम होने की बीमारी ( ग्लॉकोम ) के खतरे को कम किया जा सकता है। इससे आंखें स्वस्थ रहती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इलाज के लिए आंखों में बार-बार ड्रॉप्स डालना महंगा पड़ता है। वहीं, पानी में विटामिन बी3 डालकर पीना सुरक्षित और सस्ता तरीका है। बुजुर्गों के लिए हर रोज़ आंखों में दवाई डालना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में यह उपचार उनके लिए आसान है। पूरी दुनिया में करीब 80 मिलियन लोग ग्लॉकोम से पीड़ित हैं और आईड्राप्स पर निर्भर रहते हैं। यह बीमारी आंखों में एक्सट्रा प्रेशर के कारण होती है, क्योंकि इसमें नर्व्स डैमेज हो जाती हैं। फैमिली हिस्ट्री या डायबिटीज़ के कारण, ग्लॉकोम होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसका ट्रीटमेंट आईड्रॉप्स हैं, जो सभी को सूट नहीं करते, और आंखों में जलन भी पैदा करते हैं। गंभीर मामलों में मरीज़ की सर्जरी या लेज़र थेरेपी करनी पड़ती है।

## ग्लॉकोम के लक्षण

आंख में दर्द, उल्टी, आंख का लाल होना आदि। अचानक से आंख की रोशनी कम होना भी इस बीमारी का संकेत है। वैसे तो इस बीमारी को ठीक करना मुश्किल है, लेकिन कुछ तरीके अपनाने से ऐसा ज़रूर हो सकता है कि आंखों की रोशनी ज़्यादा कम न हो। इसके लिए पहले तो इस बीमारी को पहले स्टेज में ही पकड़ लेना ज़रूरी है, क्योंकि इसमें रोशनी कम होने की प्रक्रिया बेहद धीमी रहती है। आंखों में दबाव को कम करने के प्राकृतिक तरीके। अपनी जीवनशैली में कुछ ऐसे बदलाव करके जिनसे की आपका ब्लड प्रेशर कम हो, आंखों के दबाव को भी कम करता है। इस उपचार का कोई साइड इफेक्ट नहीं है। जैसे आपका इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, यह आपके रक्तचाप का कारण बनता है, और इससे आपकी आंखों पर दबाव भी बढ़ता है। समय के साथ आपका शरीर इंसुलिन प्रतिरोधी बन जाता है। यह उन लोगों को ज़्यादा होता है, जो डायबिटीज़, मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर के मरीज़ हैं। इसका समाधान यह है कि आपको अपनी डाइट में चीनी और अनाज कम करना होगा। अगर आपको ग्लॉकोम है या इसके बारे में चिंतित हैं, तो आप ये सब खाने से बचें ब्रेड, पास्ता, चावल, अनाज और आलू। नियमित रूप से व्यायाम करें- इंसुलिन के स्तर को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है व्यायाम, जैसे- एरोबिक्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग। इससे इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और आंखों की रोशनी भी बचाई जा सकती है। ओमेगा -3 फैट सप्लीमेंट- इसे लेने से भी इस बीमारी को दूर रखा जा सकता है। डीएचए नामक ओमेगा -3 फैट आंखों के स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा है। यह आंखों की रोशनी नहीं जाने देता। डीएएच सहित ओमेगा -3 फैट, मछली में पाए जाते हैं, लेकिन विशेषज्ञ मछली न खाने की राय देते हैं। उनके मुताबिक इस फैटी एसिड का सबसे अच्छा स्रोत है क्रिल ऑयल। हरी सब्जियां खाएं- ल्यूटिन और ज़ेक्थिन से आंखों की रोशनी बढ़ती है। ल्यूटिन हरी, पत्तेदार सब्जियों में विशेष रूप से बड़ी मात्रा में पाया जाता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट है और आंखों के सेल्स को खराब होने से बचाता है।



# स्वाद ही नहीं बढ़ाती हर बीमारी में राहत भी दिलाती है लाल मिर्च

**नई दिल्ली, एजेंसी।** खाने में थोड़ा मसालेदार स्वाद लाने के लिए अक्सर लोग लाल मिर्च का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि यह सिर्फ खाने का स्वाद नहीं बढ़ाता, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। यह मिर्च खासकर अपने तेज लाल रंग और तीखेपन की वजह से जाना जाता है, इसके साथ ही इसके अंदर छिपे गुण कई बीमारियों से सुरक्षा देने में मददगार होते हैं। अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, लाल मिर्च विटामिन ए का बड़ा स्रोत है। यह विटामिन आंखों की रोशनी के लिए बेहद जरूरी होता है, साथ ही शरीर के कई अंगों की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। यह हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। अगर आप रोजाना सिर्फ एक छोटी चम्मच लाल मिर्च का पाउडर अपने खाने में डालते हैं, तो विटामिन ए की कमी आपके शरीर में कभी नहीं होगी। विटामिन ए के अलावा, इसमें विटामिन बी6, विटामिन के और विटामिन सी भी पाए जाते हैं। विटामिन के खून को साफ करने में मदद करता है और हड्डियों को मजबूत बनाता है, जबकि विटामिन सी हमारे शरीर के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और सर्दी-जुकाम से बचाता है। वैज्ञानिक शोध के मुताबिक, लाल मिर्च के अंदर मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स हमारे शरीर की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाता है और कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। इससे कैंसर और दिल की बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। लाल मिर्च में एक खास तत्व होता है जिसे कैप्सैसिन कहा जाता है। यही कैप्सैसिन मिर्च को तीखा बनाता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। कैप्सैसिन सूजन को कम करता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बनाता है और वजन कम करने में भी सहायक होता है।

# मुंहासों को ठीक करने करें ये उपाय



**नई दिल्ली, एजेंसी।** किशोरावस्था में कदम रखते ही हार्मोन में आये बदलावों के कारण कई प्रकार की समस्याएं भी आती हैं। इन्हीं में से एक है चेहरे पर होने वाले मुंहासे (एक्ने) । एक्ने को आयुर्वेदिक उपचार से ठीक किया जा सकता है। दरअसल त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नम रखने के लिए एक तेल निकलता है। ये ग्रंथियां चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते हैं। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर बंद हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो आगे चलकर एक्ने का कारण बनते हैं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता होती है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका प्रभाव ज्यादा होता है। आइए हम आपको एक?ने के उपचार के लिए आयुर्वेद तरीकों के बारे में बताते हैं।

## एक्ने की समस्या

कुछ लड़कियों को पीरियड्स से पहले बार-बार मुंहासे निकल आते हैं जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते हैं। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के ज्यादा सिक्रीशन की वजह से भी होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे जैसे बन जाते हैं। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते हैं। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीबम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते हैं, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और ज्यादा फैल सकता है। दरअसल टीनेज में हार्मोंस में लगातार बदलाव आते रहते हैं, नतीजन चेहरे पर दाग, धब्बे, मुंहासे और एक्ने की समस्या होने लगती हैं। एक्ने ऐसी समस्या है जो आमतौर पर टीनेज और युवावस्था में अधिक होती है। अगर आपके परिवार में पहले भी परिवार वालों को एक्ने रहे हैं यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है तो भी आपको इससे बचाव के लिए तैयार रहना चाहिए। एक्ने त्वचा का एक विकार है। एक प्रकार से यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। गाय के ताजे दूध में चिरौंजी पीसकर इसका लेप बनाकर चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। इससे एक्ने की समस्या से निजात मिलेगी। चमेली के तेल को सुहागा में मिलाकर रात को सोते समय चेहरे पर लगाकर मसलें। सुबह बेसन को पानी से गीला कर गाढ़ा-गाढ़ा चेहरे पर लगाकर मसलें और पानी से चेहरा धो डालें। इससे चेहरे पर होने वाली जलन पर बहुत आराम मिलेगा। मसूर की दाल 2 चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं। मुंहासों को दूर करने के लिए जायफल भी बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए साफ पत्थर पर पानी डालकर जायफल घिसकर लेप को कील-मुंहासों पर लगाएं।



# 15 दिसंबर से मोटर वाहन बीमा के नियमों में बदलाव, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा होगा अनिवार्य



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए मोटर वाहन बीमा खरीदने के नियमों में बदलाव किया गया है। नए प्रावधानों के तहत वाहन मालिकों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा लेना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने इस संबंध में परिपत्र जारी किया है। नए नियम 15 दिसंबर से लागू होंगे। इसके साथ ही बीमा कंपनियों को ग्राहकों को बीमा में मिलने वाली सुविधाओं और उनके लिए लिए जाने वाले शुल्क की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। नए नियमों के अनुसार, मोटर वाहन बीमा खरीदते समय कंपनियों को लिखित रूप में बताना होगा कि ग्राहक को किस तरह का सुरक्षा कवच दिया जा रहा है। बीमा में शामिल प्रत्येक सुविधा, उसकी शर्तों और उसके लिए निर्धारित शुल्क का अलग-अलग ब्योरा देना होगा। इससे ग्राहकों को यह समझने में आसानी होगी कि उनके वाहन और स्वयं के लिए कौन-कौन सी सुरक्षा उपलब्ध है। नियमों में तीसरे पक्ष का बीमा अनिवार्य रखा गया है। वहीं, वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने या चोरी होने की स्थिति में नुकसान की भरपाई के लिए लिया जाने वाला बीमा वैकल्पिक होगा। यानी ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार वाहन के नुकसान से जुड़ा बीमा ले सकता है या उसे छोड़ सकता है। कंपनियों को इन दोनों तरह के बीमा के बीच अंतर भी स्पष्ट करना होगा। दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति और कार में चालक के अलावा अन्य सवारों के दुर्घटना बीमा को वैकल्पिक रखा गया है। ग्राहक अपनी इच्छा के अनुसार यह अतिरिक्त सुरक्षा ले सकेंगे। बीमा कंपनियों को यह भी बताना होगा कि अलग-अलग यात्रियों के लिए दुर्घटना सुरक्षा लेने पर कितना अतिरिक्त शुल्क देना होगा। 15 दिसंबर से मोटर वाहन बीमा बेचने वाली कंपनियों को नए प्रारूप में पॉलिसी जारी करनी होगी। बीमा सुगम पोर्टल पर भी मोटर वाहन बीमा की जानकारी इसी प्रारूप में उपलब्ध कराई जाएगी। इसका उद्देश्य ऑनलाइन बीमा खरीदने वाले ग्राहकों को भी पॉलिसी की शर्तों, सुविधाओं और शुल्क का पूरा विवरण उपलब्ध कराना है। मोटर बीमा से जुड़ी अन्य अतिरिक्त सुविधाओं को भी वैकल्पिक रखा गया है। यदि किसी वाहन मालिक ने पहले से तीसरे पक्ष का बीमा ले रखा है और वह बाद में कोई अतिरिक्त सुरक्षा जोड़ना चाहता है, तो उसे मौजूदा पॉलिसी रद्द कराने की जरूरत नहीं होगी। वह अतिरिक्त शुल्क देकर अपनी मौजूदा पॉलिसी में नई सुविधा शामिल करा सकेगा। उदाहरण के तौर पर, ग्राहक तीसरे पक्ष के बीमा के साथ दुर्घटना के बाद कानूनी सहायता जैसी अतिरिक्त सेवा का सुरक्षा कवच भी ले सकता है। इसके लिए निर्धारित अतिरिक्त शुल्क देना होगा। इस व्यवस्था से ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार बीमा में सुविधाएं जुड़वा सकेंगे। अब तक बीमा खरीदने के दौरान कई ग्राहकों को यह स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती थी कि उनकी पॉलिसी में कौन-कौन से जोखिम शामिल हैं।

# अमेरिकी चुनाव के बाद युद्ध खत्म होने की उम्मीद, ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर से नीचे



**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत के बाद ईरान के साथ जारी युद्ध जल्द समाप्त होने की उम्मीद बढ़ गई है। इस घटनाक्रम का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों पर दिखाई दिया। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 10 प्रतिशत गिरकर 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया। कारोबार के दौरान इसकी कीमत 93.22 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जो पिछले दो महीने का सबसे निचला स्तर है। अमेरिकी कच्चा तेल वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया। निवेशकों को उम्मीद है कि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ सकता है। यदि दोनों देशों के बीच समझौता होता है, तो पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति में और सुधार होने की संभावना है। इससे वैश्विक बाजार में तेल की उपलब्धता बढ़ सकती है और आपूर्ति को लेकर बनी चिंता कम हो सकती है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के दौरान महंगाई और ईरान के साथ जारी युद्ध प्रमुख मुद्दे रहे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए विदेश में जारी संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया। वहीं, अमेरिकी सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ने युद्ध समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने की बात कही है। इन बयानों से भी बाजार में युद्ध जल्द खत्म होने की उम्मीद मजबूत हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा है कि फिलहाल पश्चिम एशिया में सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की उनकी कोई योजना नहीं है। निवेशक इन घटनाक्रमों को संकेत के रूप में देख रहे हैं कि ईरान के साथ संघर्ष उम्मीद से पहले समाप्त हो सकता है। जानकारों के अनुसार, अमेरिकी चुनाव के नतीजों और ईरान की आर्थिक स्थिति को देखते हुए दोनों देशों के बीच समझौते की संभावना बढ़ती दिखाई दे रही है।

# सीमेंट उद्योग में अल्ट्राटेक और अंबुजा का वर्चस्व बढ़ा, छोटी कंपनियों के सामने चुनौती



**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय सीमेंट उद्योग में बाजार हिस्सेदारी को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आदित्य बिड़ला समूह की अल्ट्राटेक सीमेंट और अदाणी समूह की अंबुजा सीमेंट का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। आक्रामक अधिग्रहण और उत्पादन क्षमता के विस्तार के चलते वित्त वर्ष 2026 तक दोनों कंपनियों की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 51.2 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। इससे उद्योग में प्रतिस्पर्धा का स्वरूप बदल रहा है और छोटी तथा स्वतंत्र कंपनियों के सामने चुनौतियां बढ़ रही हैं। वित्त वर्ष 2023 में अल्ट्राटेक और अंबुजा की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 44.8 प्रतिशत थी। तीन वर्षों में इसमें 6.4 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है। उद्योग के कुल बाजार में दोनों कंपनियों की बढ़ती पकड़ का प्रमुख कारण बड़े पैमाने पर अधिग्रहण और उत्पादन क्षमता में लगातार विस्तार माना जा रहा है। इस प्रक्रिया से सीमेंट उद्योग की वृद्धि का बड़ा हिस्सा इन कंपनियों के पास केंद्रित होता जा रहा है। अल्ट्राटेक सीमेंट ने जुलाई 2024 में इंडिया सीमेंट्स और मार्च 2025 में केसोराम सीमेंट का अधिग्रहण किया। इन सौदों से कंपनी की बाजार में स्थिति और मजबूत हुई। वहीं, अदाणी समूह के नियंत्रण में आने के बाद अंबुजा सीमेंट ने भी विस्तार की रणनीति तेज की और कई कंपनियों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया। अंबुजा सीमेंट ने सांघी इंडस्ट्रीज, पेन्ना सीमेंट, ओरिएंट सीमेंट और जेपी सीमेंट जैसी कंपनियों का अधिग्रहण किया है। मई 2023 में अदाणी समूह ने स्विट्जरलैंड की होल्सिम से अंबुजा सीमेंट और उसकी सहायक कंपनी एसीसी का अधिग्रहण किया था। इस सौदे को उद्योग में एकीकरण की प्रक्रिया का अहम मोड़ माना गया। इसके बाद अदाणी समूह ने सीमेंट कारोबार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर जोर दिया। सीमेंट उद्योग में शीर्ष दो कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक होने की स्थिति इसे दूरसंचार, विमानन और इस्पात जैसे क्षेत्रों की श्रेणी में ला रही है।

# विदेशी निवेशकों के लिए केवाईसी प्रक्रिया आसान, डिजिटल सत्यापन को सेबी की मंजूरी



**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत से बाहर रहने वाले पात्र विदेशी निवेशकों के लिए केवाईसी नियमों में ढील दी है। नए प्रावधानों के तहत वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के मानकों का अनुपालन करने वाले देशों में रहने वाले निवेशक भारत में शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना डिजिटल माध्यम से अपनी केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य भारतीय वित्तीय बाजारों में विदेशी निवेश को बढ़ावा देना और निवेश की प्रक्रिया को सरल बनाना है। सेबी का संशोधित ढांचा तीन दिसंबर से लागू होगा। इससे अनिवासी भारतीयों, भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों और अन्य विदेशी नागरिकों को भारतीय पूंजी बाजार में निवेश करने में सुविधा मिलेगी। नए नियमों के तहत बाजार मध्यस्थ पात्र ग्राहकों से डिजिटल माध्यम से केवाईसी संबंधी जानकारी और जरूरी दस्तावेज स्वीकार कर सकेंगे। हालांकि, एफएटीएफ के मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले देशों में रहने वाले निवेशकों के लिए केवाईसी की मौजूदा आवश्यकताएं पहले की तरह लागू रहेंगी। सेबी ने स्पष्ट किया है कि नियमों में दी गई छूट सभी विदेशी निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले पात्र ग्राहकों के लिए होगी। संशोधित व्यवस्था में केवाईसी रिकॉर्ड के दोबारा इस्तेमाल की सुविधा भी दी गई है। इसके तहत निवेशक एक बाजार मध्यस्थ के पास उपलब्ध अपने केवाईसी रिकॉर्ड का उपयोग दूसरे मध्यस्थ के साथ लेनदेन के लिए कर सकेंगे। इसके लिए यह जरूरी नहीं होगा कि पहले से दर्ज सभी व्यक्तिगत जानकारियों का दोबारा सत्यापन कराया गया हो। सेबी ने बाजार मध्यस्थों को किसी अन्य सेबी-पंजीकृत मध्यस्थ या वित्तीय क्षेत्र के दूसरे नियामक के अधीन पंजीकृत संस्था की ओर से किए गए केवाईसी पर भरोसा करने की अनुमति भी दी है। इसके लिए केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों और केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री में उपलब्ध दस्तावेजों का उपयोग किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को हर संस्था के पास पूरी प्रक्रिया दोहराने की जरूरत कम होगी। नए प्रावधानों के तहत विदेशी निवेशकों को पासपोर्ट की प्रतियां और जहां लागू हो, वहां भारतीय मूल के विदेशी नागरिकता कार्ड की प्रतियां जमा करनी होंगी। पते के प्रमाण के रूप में विदेश में रहने का पता भी स्वीकार किया जाएगा। निवेशक केवाईसी फॉर्म डिजिटल या भौतिक, दोनों माध्यमों से जमा कर सकेंगे। नमूना हस्ताक्षर इलेक्ट्रॉनिक रूप से देने की सुविधा भी होगी, लेकिन वीडियो आधारित व्यक्तिगत सत्यापन के दौरान उनका मिलान करना अनिवार्य रहेगा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत वीडियो सत्यापन के समय अधिकृत अधिकारी की मौजूदगी जरूरी होगी। इस प्रक्रिया का समवर्ती ऑडिट भी कराया जाएगा, ताकि सत्यापन की विश्वसनीयता बनी रहे। सेबी ने कहा है कि ग्राहकों की उचित जांच-पड़ताल की अंतिम जिम्मेदारी संबंधित बाजार मध्यस्थों की ही होगी। निवेशक की जोखिम प्रोफाइल के आधार पर उन्हें अतिरिक्त सत्यापन उपाय भी करने होंगे।

### सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल

# कहीं 2027 एक दिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए



**ऑकलैंड (ईएमएस)।** तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है? यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। हालांकि, सिराज को बाहर रखने की एक तात्कालिक व्यावहारिक वजह न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में अनौपचारिक टेस्ट मैच का हिस्सा होना हो सकती है, जो तीन नवंबर को समाप्त हुआ था। इसके अगले ही दिन एकदिवसीय मुकाबला खेला गया, और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन व रिकवरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम देना एक तर्कसंगत कदम प्रतीत होता है। लेकिन यह कारण केवल न्यूजीलैंड के पहले मैच तक सीमित नजर आता है। सितंबर-अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी सिराज को शुरुआती दो मुकाबलों में जगह नहीं मिली थी। उन्हें सिर्फ तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने आठ ओवर में 52 रन देकर एक विकेट हासिल किया। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद ही टीम में शामिल किया गया था। इस बात ने उन अटकलों को और हवा दी है कि क्या वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद नहीं रह गए हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से नए तेज गेंदबाजों को तैयार करना चाहती है। यह रणनीति भविष्य के लिए विकल्पों को बढ़ाने के लिहाज से सही हो सकती है, लेकिन सिराज जैसे अनुभवी और स्थापित गेंदबाज को लगातार बाहर रखने से उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, साथ ही 2027 विश्व कप में उनकी भागीदारी की संभावनाओं को भी धुंधला कर सकता है।

# बड़े स्कोर भी अब जीत की गारंटी नहीं रहे





### 400 से अधिक रनों के बाद भी हारी हैं टीमें

**मुम्बई (यशभारत)।** एकदिवसीय रि केट में एक समय बड़े स्कोर बनाने पर किसी भी टीम की जीत तय मानी जाती थी पर आज आधुनिक रि केट इतना बदल गया है कि 400 से अधिक रन भी जीत की गारंटी नहीं रह गये हैं। इसका एक बड़ा कारण टी20 प्रारुप आने के बाद आ क्रमक बल्लेबाजी होने के साथ ही छोटी बाउंड्री को भी माना जा रहा है। रि केट इतिहास में अब ऐसे कई मुकाबले दर्ज हैं, जहां टीमें बड़े लक्ष्य के बाद भी हारी हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों को भी उलटफेर का सामना करना पड़ा है। जिसने साबित किया कि अब रि केट में कोई भी स्कोर अंतिम नहीं माना जा सकता है

ऐसा ही एक अप्रत्याशित मुकाबला साल 2006 में जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। तब ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान रिकी पोंटिंग की तूफानी बल्लेबाजी से 4 विकेट पर 434 रन बनाये थे। उस समय यह एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था और ऑस्ट्रेलियाई खेमे को अपनी जीत लगभग पक्की लग रही थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने असंभव को संभव कर दिखाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्रीम स्मिथ के 90 रन और हर्शल गिब्स के 175 रनों की सहायता से अफ्रीकी टीम ने जीत का आधार बनाया। मार्क बाउचर और जोहान वान डर वाथ ने भी अंत में अहम योगदान दिया और दक्षिण अफ्रीका ने एक गेंद शेष रहते 438 रन बनाकर यह मुकाबला जीत लिया। यह लक्ष्य का पीछा करते हुए आज भी एकदिवसीय इतिहास के सबसे यादगार और रोमांचक मामलों में गिना जाता है।

सिर्फ यही नहीं, हाल के वर्षों में भी ऐसे कई रोमांचक और विशाल स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समय पहले हुए एक मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 429 रन बनाए थे पर विरोधी टीम ने एक गेंद शेष रहते 430 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हैरी ब्रूक के दोहरे शतक के बावजूद, विपक्षी बल्लेबाज के शतक और दासुन शनाका की 97 रन की तेज पारी इंग्लैंड पर भारी पड़ी। इसी तरह, भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुवाहाटी में हुए एक मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 405 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के 101 और शुभमन गिल के रिकॉर्ड 223 रनों की बदौलत 44वें ओवर में ही इस विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया।

इसके अलावा कभी-कभी बारिश और डकवर्थ-लुईस नियम भी जीत के समीकरण को पूरी तरह बदल देते हैं। 2023 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 401 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। हालांकि, बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और डकवर्थ-लुईस नियम लागू होने पर पाकिस्तान ने 21 रनों से जीत दर्ज की, जबकि कीवी टीम ने एक विशाल स्कोर खड़ा किया था। ये सभी मुकाबले इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक एकदिवसीय क्रिकेट में कोई भी स्कोर, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमेशा जीत की गारंटी नहीं होता। बल्लेबाजों की आक्रामक मानसिकता और पिच की बदलती प्रकृति ने क्रिकेट को और भी रोमांचक बना दिया है, जहाँ अंतिम गेंद तक परिणम बदल सकता है।

# हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तानी न करें : रायुडू

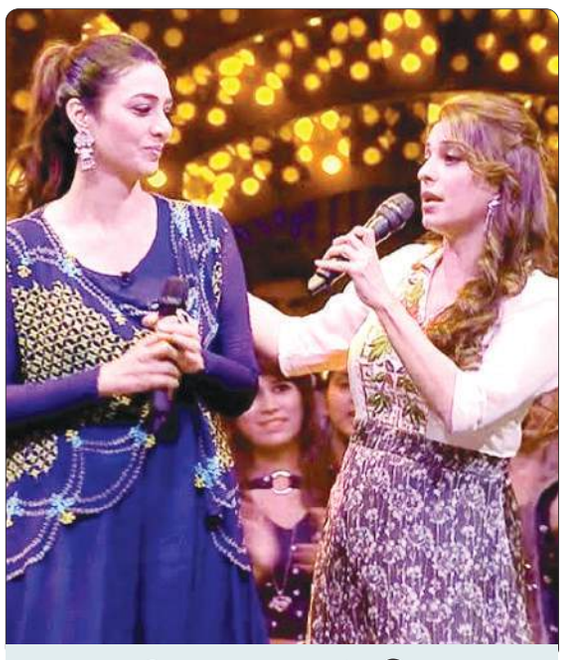


**मुम्बई (यशभारत)।** ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे। रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।

# 12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैम्पियनशिप

**नई दिल्ली (ईमएस)।** भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

# रंग संसार



## जूही चावला ने किया तब्बू की जमकर तारीफ

**मुंबई (यशभारत)।** अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी सहकर्मी और दोस्त तब्बू को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर तब्बू की प्रशंसा करते हुए पूछा कि वे समय के साथ हर चीज में इतनी बेहतर कैसे होती जा रही हैं। यह टिप्पणी तब्बू की अभिनय क्षमता और उनकी कालातीत सुंदरता को रेखांकित करती है, जिस पर उनके सहकर्मी भी मोहित हैं। जूही ने तब्बू को गले लगाते हुए एक प्यारी सी तस्वीर साझा की और माइक्रो-ब्लॉगिंग ऐप पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो तब्बू..!! कुछ लोग बूढ़े होते हैं, कुछ लोग विकसित होते हैंज और फिर आप हैं, जो चुपचाप हर चीज में बेहतर होती जा रही हैं और हमें बताने से इनकार करती हैं कि कैसे.. ढेर सारा प्यार..!! यह संदेश तब्बू की समय के साथ निखरती प्रतिभा और उनकी अद्वितीय उपस्थिति को दर्शाता है, जो उन्हें समकालीन सिनेमा में एक खास मुकाम दिलाती है। कम लोगों को पता होगा कि जूही और तब्बू ने 2001 की कॉमेडी फिल्म आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया में साथ काम किया था। इस फिल्म में इन दोनों के अलावा, गोविंदा, चंद्रचूड़ सिंह, जॉनी लीवर, ईशा कोप्पिकर, विनय आनंद और केतकी दवे जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में शामिल थे। के. राघवेंद्र राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म वी. शेखर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म विरालुक्केथा वीक्रम का रीमेक थी।

यह उस दौर की एक लोकप्रिय फिल्म थी, जिसमें दोनों अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों को बखूबी निभाया था। तब्बू के 55वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, उनकी अगली फिल्म किंग 100 के निर्माताओं ने ड्रामा से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया है. जिससे उनके प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। उनकी सह-कलाकार नागार्जुन अक्किनेनी ने भी तब्बू को जन्मदिन की विशेष शुभकामनाएं देते हुए अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा, प्रिय तब्बू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

# 400 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी *रानी चटर्जी*



**मुम्बई (यशभारत)।** मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने हाल ही में अपना 37वां जन्मदिन मनाया। करीब 400 से अधिक भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी रानी आज एक ऐसा नाम बन गई हैं जो भोजपुरी सिनेमा की पहचान है। लाखों दिलों पर राज करने वाली इस अभिनेत्री का असल नाम रानी चटर्जी नहीं, बल्कि सबीहा शेख है। सबीहा का जन्म 3 नवंबर 1989 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी यहीं से पूरी की थी। वर्ष 2004 में सबीहा शेख ने फिल्म ससुरा बड़ा पइसावाला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जहाँ उन्होंने दिग्गज अभिनेता मनोज तिवारी के साथ स्क्रीन साझा की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और मनोज तिवारी तथा सबीहा शेख की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। इसी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। फिल्म में एक मंदिर का दृश्य फिल्माया जा रहा था, और कुछ धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, निर्देशकों ने उन्हें अपना स्क्रीन नाम बदलने का सुझाव दिया। इसी पल सबीहा शेख, रानी चटर्जी बन गईं और यह नाम आज भोजपुरी सिनेमा के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो चुका है। अपनी पहली फिल्म से मिली अपार सफलता और पहचान के बाद रानी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने लगातार एक के बाद एक कई सफल फिल्मों में काम किया, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में नागिन, देवरा बड़ा सतावेला, गंगा यमुना सरस्वती, रानी नंबर 786, दरिया दिल, रानी बनल ज्वाला, घरवाली बाहरवाली, रियल इंडियन मदर, रानी वेड्स राजा, लेडी सिंघम, दूल्हा नाचा गली गली, श्रीमान श्रीमती, शेरनी, परिणय सूत्र, हां मैंने भी प्यार किया था, और नौकरानी बनी महारानी जैसी फ़िल्में शामिल हैं.





## मन तैयार पर शरीर कहता है थोड़ा ठहर जाओः अमिताभ बच्चन

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी सेहत, नींद और फिटनेस को लेकर अपने ब्लॉग पर कुछ बहुत ही निजी और मार्मिक बातें साझा की हैं। महानायक ने बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर वह एक बार फिर से नियमित रूप से जिम जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उनका शरीर पहले जैसी फुर्ती से साथ नहीं दे पा रहा है। उन्होंने बताया कि इन दिनों उन्हें कभी-कभी रात में नींद आने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अमिताभ ने अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यायाम करने के लिए उनका मन तो पूरी तरह से तैयार रहता है और हाँ कहता है, लेकिन उनका शरीर उन्हें थोड़ा आराम करने का इशारा देता है और रुक जाओ कहता है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में सुबह जल्दी उठने से लेकर अपने दैनिक लेखन के दौरान आने वाली परेशानियों तक का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछली रात ब्लॉग पूरा न कर पाने की बात उनके मन में लगातार चलती रही, जिसके चलते वह सुबह जल्दी उठ गए और रात भर उनकी नींद बाधित रही। इसके साथ ही, उन्होंने ब्लॉग लिखते समय अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में आ रही तकनीकी परेशानी भी साझा की और पाठकों से मदद मांगी। उन्होंने लिखा, ब्लॉग लिखते समय अभी भी अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में परेशानी हो रही है। अगर किसी को इसका तरीका पता है तो मुझे समझाएं। मैंने गूगल पर भी देखा, लेकिन वहां दिए गए निर्देश समझ नहीं आए।

# हम एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं : जिया शंकर

**मुम्बई (यशभारत)।** पिछले कई दिनों से अभिनेत्री जिया शंकर अपने मंगेतर करण धनक के साथ अनबन और सगाई टूटने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही थीं। इस बारे में अब अभिनेत्री ने स्वयं सोशल मीडिया पर एक भावुक और विस्तृत नोट साझा कर अपने रिश्ते की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जिया ने करण धनक के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि एक जोड़े के रूप में वे कैसे आगे बढ़ रहे हैं और उनके रिश्ते की सच्चाई क्या है। अपने नोट में जिया ने बहुत ही ईमानदारी से लिखा, अगर किसी ने आपको नहीं बताया कि एक साथ रहना सीखते हुए जिंदगी कितनी मुश्किल हो जाती है, तो मैं बताना चाहती हूं कि ये कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि ज्यादातर कपल्स की तरह हम भी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन कभी-कभी हमारे बीच बहुत झगड़े भी होते हैं और हम बस एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं। जिया ने इस बात पर जोर दिया कि वे परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि वे केवल इंसान हैं, जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हुआ और उन्होंने एक-दूसरे को चुना। उन्होंने यह भी लिखा कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं और अंत में बस यही उम्मीद करते हैं कि वे सब कुछ समझ जाएं और इस जिंदगी में साथ-साथ आगे बढ़ें। यह संदेश उनके रिश्ते की गहराइयों और चुनौतियों को दर्शाता है, जिसे वे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से नहीं कतरा रही थीं। अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए जिया ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैं आगे से इस बात का ज्यादा ध्यान रखूंगी कि मैं सोशल मीडिया पर क्या शेयर करती हूं, ताकि किसी भी तरह की अटकलों या बेबुनियाद अफवाहों के लिए कोई जगह न रहे। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि उनके मंगेतर या उनके रिश्ते के बारे में जो कुछ भी कहा गया है, उसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। यह बयान उन सभी अफवाहों को खारिज करता है जो उनके ब्रेकअप को लेकर फैलाई जा रही थीं।



## छठ पूजा पर तालाबों में सुरक्षा का पहरा

**बैरिकेडिंग से लेकर सीसीटीवी और वॉच टावर तक की व्यवस्था, मेडिकल टीम भी रहेगी तैनात**

**ठाणे, यशभारत। आगामी छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए ठाणे महानगरपालिका ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने सभी तालाबों पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरे, वॉच टावर, पर्याप्त रोशनी और मेडिकल टीम की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्येक तालाब के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।**



छठ पूजा की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को महापौर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। पूजा के दौरान रायलादेवी, मासुंदा और उपवन तालाब परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए सुरक्षित आवाजाही के लिए अलग सुरक्षा कॉरिडोर बनाने और प्रवेश द्वारों पर भीड़ जमा नहीं होने देने के निर्देश दिए गए।

विशेष रूप से रायलादेवी तालाब पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया गया। आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस, मेडिकल टीम और जरूरी दवाइयां उपलब्ध रहेंगी। पुलिस और प्रदूषण विभाग के बीच समन्वय के लिए संपर्क केंद्र बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

## बाइक की डिक्की बनी चोरों का निशाना

**15 मिनट में 2 लाख पार, भुसार मोहल्ला में दिनदहाड़े वारदात**

**भिवंडी, यशभारत।** शहर के भुसार मोहल्ला में चोरों ने महज 15 मिनट में मोटरसाइकिल की डिक्की से 2 लाख रुपये उड़ा लिए। मौलाना आजाद नगर के वेतालपाड़ा निवासी आवेस रज्जाक मोमीन (46) ने भोईवाड़ा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, 4 नवंबर को सुबह 11:05 से 11:20 बजे के बीच अक्सा स्कूल के पास श्री गोपाल निवास के नजदीक उनकी मोटरसाइकिल खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात चोर ने डिक्की में रखे 2 लाख रुपये नकद चुरा लिए। इस मामले में भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत केस दर्ज किया गया है। जांच पुलिस उपनिरीक्षक रामदास कोलते कर रहे हैं। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

## कंक्रीट के जंगल में 432 कुओं का नामोनिशान मिटा

**मीरा-भाईंदर में 508 में से सिर्फ 76 कुएं बचे, पुराने जलस्रोतों की जियो-टैगिंग और जांच की मांग**

**भाईंदर, यशभारत।** मीरा-भाईंदर में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और कंक्रीटीकरण के बीच 432 पारंपरिक कुएं रिकॉर्ड से गायब हो गए हैं। कुछ वर्ष पहले आरटीआई के तहत मिले मनपा रिकॉर्ड में शहर में कुल 508 कुएं दर्ज थे, जबकि मौजूदा आंकड़ों में केवल 76 कुएं ही बचे हैं। इनमें 54 सार्वजनिक और 22 निजी कुएं शामिल हैं। यानी 61 सार्वजनिक और 371 निजी कुओं का कोई हिसाब नहीं है।

भाईंदर, गोड़देव, नवघर, खारी, घोड़बंदर, काशी और उत्तन सहित पुराने गांवों में कभी कुओं का व्यापक नेटवर्क था। स्थानीय लोग इनका इस्तेमाल पीने के पानी, घरेलू जरूरतों और सिंचाई के लिए करते



थे। आशंका है कि कई कुओं को पाटकर वहां इमारतें बना दी गईं। कुएं भूजल स्तर बनाए रखने और वर्षा जल संचयन में अहम भूमिका निभाते हैं। सामाजिक संगठनों ने सभी कुओं की जियो-टैगिंग, पुराने रिकॉर्ड से मिलान और अवैध रूप से कुएं पाटने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

## भिवंडी में पटाखों की बिक्री पर मनपा का पहरा

**छह ठिकाने तय, कम धुएं और कम आवाज वाले पटाखे जलाने की अपील**




**भिवंडी, यशभारत।** दिवाली के दौरान वायु और ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए भिवंडी मनपा प्रशासन ने नागरिकों से पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित दिवाली मनाने की अपील की है। प्रशासन ने कम आवाज और कम धुआं पैदा करने वाले पटाखे जलाने तथा प्रतिबंधित पटाखों से दूर रहने का आग्रह किया है। साथ ही पटाखों की बिक्री के लिए शहर में छह स्थान निर्धारित किए हैं।

इस वर्ष दिवाली 6 से 11 नवंबर तक मनाई जाएगी। इसे लेकर अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे की अध्यक्षता में विभागों, पुलिस अधिकारियों और पटाखा विक्रेताओं की बैठक हुई। मनपा ने नजराणा टॉकीज मैदान, कमला बिल्डिंग मैदान, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, अंजूरफाटा स्थित के.आर. हाइट्स के सामने, कामतघर गणपति विसर्जन घाट और फेरी बिल्डिंग को बिक्री के लिए निर्धारित किया है।

शहर में करीब 50 दुकानों को अनुमति दी गई है। विक्रेताओं के लिए लाइसेंस और अग्निशमन व पुलिस विभाग का एनओसी अनिवार्य है। प्रत्येक दुकान पर अग्निशमन उपकरण रखना होगा। निर्धारित स्थानों के अलावा दुकान लगाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

## टीमवर्क से सरकारी अस्पतालों की गुणवत्ता में लाएं सुधार

**मरीजों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी : प्रधान सचिव डॉ. निपुण विनायक**

**ठाणे, यशभारत।** सरकारी अस्पतालों में टीमवर्क, प्रभावी संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाई जा सकती है। मरीजों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान को लगातार प्रयास करना चाहिए। यह बात सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. निपुण विनायक ने कही। वे ठाणे में आयोजित विभागीय 'अस्पताल स्टार रेटिंग' कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित इस कार्यशाला में ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर नागरी स्वास्थ्य सेवा आयुक्त डॉ. सुनील भोकरे, सहसंचालक डॉ. सुनीता गोल्हाईत, जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और उपसंचालक डॉ. कैलास पवार सहित तीनों जिलों के जिला शल्य चिकित्सक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी और



चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित थे।

कार्यशाला में अस्पतालों की स्टार रेटिंग के विभिन्न मानदंडों की जानकारी दी गई। पिछले मूल्यांकन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों को सम्मानित किया गया। साथ ही गुणवत्ता प्रबंधन और आगामी मूल्यांकन में प्रदर्शन सुधारने के उपायों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी डॉ. पांचाल ने ठाणे जिले के सरकारी अस्पतालों के कार्यों की सराहना की।

## भिवंडी में 80 हजार का एमडी ड्रग्स जब्त

**दो तस्कर गिरफ्तार, तीसरे की तलाश**

**भिवंडी, यशभारत।** शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शांतिनगर पुलिस ने भारत कंपाउंड इलाके से 17 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त नशे की कीमत 80 हजार 200 रुपये बताई गई है। मामले में गोलू नामक तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 4 नवंबर की सुबह करीब 8:13 बजे भारत कंपाउंड स्थित सबका होटल के पास छापेमारी की गई। इस दौरान फैजान जमील अहमद अंसारी (24), निवासी सुभाषनगर और अनवर युसुफ शेख (30), निवासी गुलजारनगर को पकड़ा गया। तलाशी में उनके पास से 17 ग्राम एमडी बरामद हुआ।

जांच में गोलू नामक एक अन्य व्यक्ति की संलिप्तता भी सामने आई है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8(सी) और 21(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस निरीक्षक पवार कर रहे हैं।

## दुबई की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी में भारतीय कंपनियों का दबदबा

**35 से 40 भारतीय कंपनियों ने लिया हिस्सा थर्मोलैब की भागीदारी बनी गौरव का विषय**



**वसई, यशभारत।** दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 26 से 28 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक एवं वैज्ञानिक प्रदर्शनी 'अरैबलैब लाइव 2026' में भारतीय कंपनियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें थर्मोलैब सहित भारत की करीब 35 से 40 कंपनियों ने हिस्सा लिया।

प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के व्यावसायिक प्रतिनिधियों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया था। इसमें एक हजार से अधिक प्रदर्शकों और 15 हजार से ज्यादा आगंतुकों के शामिल होने की अपेक्षा थी। फार्मा उद्योग, प्रयोगशाला उपकरण, वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक मशीनरी और नई औद्योगिक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

वसई स्थित डी फैक्टरी को-वर्किंग स्पेस के सीईओ नितीन केशव म्हात्रे ने प्रदर्शनी का दौरा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां गुणवत्ता, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के दम पर वैश्विक बाजार में अपनी पहचान मजबूत कर रही हैं।

## दिवाली से पहले आदिवासी पाड़ों से मिटा अंधेरा

**टिटवाला की नौ बस्तियों में 50 नए पथदीप शुरू, 100 लाइट लगाने की योजना**

**कल्याण, यशभारत।** दिवाली से पहले टिटवाला परिसर की नौ आदिवासी बस्तियां रोशनी से जगमगा उठी हैं। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका ने इन बस्तियों में 50 नए पथदीप शुरू किए हैं। महापौर एड. हर्षाली विजय चौधरी और मनपा आयुक्त अभिनव गोयल की पहल पर महज कुछ सप्ताह में यह काम पूरा किया गया। कुछ सप्ताह पहले आदिवासी पाड़ों के नागरिकों ने महापौर और आयुक्त से मुलाकात कर स्ट्रीट लाइट नहीं होने की समस्या बताई थी। अंधेरे के कारण रात में आवागमन मुश्किल होने के साथ सुरक्षा का खतरा भी बना रहता था। नागरिकों की मांग पर मनपा प्रशासन ने 100 पथदीप लगाने की योजना बनाई। विद्युत विभाग ने तेजी से काम करते हुए 5 नवंबर को 50 पथदीप शुरू कर दिए।

ठाकुर पाड़ा, गणेश विद्यालय, गणेश मंदिर, गणेशवाड़ी, मिलिंद नगर, इंदिरानगर, वाघमारे आळी, कातकरी बस्ती और आधारवाड़ी जेल के पीछे स्थित बस्तियों में ये लाइट लगाए गए हैं। मनपा के अनुसार, 2024 से 2026 के बीच आदिवासी पाड़ों में 185 पथदीप शुरू किए जा चुके हैं। वर्ष 2026-27 में 100 नए पथदीप लगाने का प्रस्ताव है। इनमें से 50 शुरू हो चुके हैं और शेष जल्द लगाए जाएंगे। मनपा क्षेत्र में कुल 22 आदिवासी पाड़े हैं।

## टाटा पावर कर्मचारी बनकर महिला को लगाया चूना

**मीरा रोड, यशभारत।** टाटा पावर का कर्मचारी बनकर साइबर ठग ने मीरा रोड की एक महिला के खाते से 2 लाख 49 हजार 997 रुपये उड़ा लिए। आरोपी ने बिजली कनेक्शन अस्थायी रूप से बंद कराने में मदद का झांसा देकर महिला के मोबाइल पर व्हाट्सएप के जरिए एपीके फाइल भेजी और उसे इंस्टॉल करवा लिया।

पुलिस के अनुसार, मीरा रोड निवासी दीपनिता बनर्जी (51) के पति को अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर खुद को टाटा पावर कर्मचारी बताया। उसने कांदिवली में नवरात्रि समारोह के लिए, लिए गए अस्थायी बिजली कनेक्शन को बंद कराने की बात कही। इसके बाद महिला को एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा। फाइल इंस्टॉल होते ही आरोपी ने मोबाइल के जरिए महिला की गोपनीय क्रेडिट कार्ड जानकारी हासिल कर ली और खाते से रकम निकाल ली। शिकायत पर काशीमीरा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

## बुजुर्गों के संगठनों पर वसई-विरार मनपा मेहरबान

**वसई, यशभारत।** वसई-विरार महानगरपालिका ने शहर के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बड़ी पहल की है। मनपा ने वरिष्ठ नागरिक संघों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वार्षिक अनुदान योजना शुरू की है। बुधवार को आयोजित विशेष महासभा में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके तहत पात्र संघों को प्रतिवर्ष 25 हजार से लेकर 2 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलेगी।

योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर बनाने, सामाजिक एकाकीपन दूर करने और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। लाभ के लिए संस्था का पंजीकृत होना, कम से कम तीन साल पुराना होना और न्यूनतम 25 सदस्य होना अनिवार्य है। साथ ही कार्यालय मनपा क्षेत्र में होना चाहिए।

## 'कैसे हराया गर्ल' सहर शेख फिर विवादों में

**औरंगजेब की तारीफ वाली पोस्ट पर भाजपा युवा मोर्चा का हंगामा, माफी मांगने तक मनपा में प्रवेश रोकने की चेतावनी**

**ठाणे, यशभारत।** चुनाव के दौरान 'मुंब्रा को हरा कर देंगे' और 'कैसे हराया' जैसे बयानों से सुर्खियों में आई एआईएमआईएम की नगरसेविका सहर शेख एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा में सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करने के बाद उनके खिलाफ राजनीतिक विरोध तेज हो गया है।

औरंगजेब के जन्मदिन पर साझा की गई पोस्ट में सहर शेख ने उसे शुभकामनाएं देते हुए मुगल इतिहास, ताजमहल, हुमायूं के मकबरे और मुगलकालीन



वास्तुकला का उल्लेख किया था। उन्होंने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि औरंगजेब की छवि मिटाने के लिए कितनी भी फिल्में बनाई जाएं या प्रचार किया जाए, इतिहास नहीं बदलेगा।

इस पोस्ट के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने समर्थ नायक सहित अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में मुंब्रा में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सहर शेख के खिलाफ नारेबाजी करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज के जयकारे लगाए। इस दौरान सहर शेख की तस्वीर वाले पोस्टरों पर चप्पलें मारकर भी विरोध जताया गया। भाजपा युवा मोर्चा ने सहर शेख से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि जब तक वह माफी नहीं मांगतीं, तब तक उन्हें ठाणे महानगरपालिका में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

## चोरी के शक में युवक को निर्वस्त्र कर पीटा

**वीडियो वायरल, अब तक शिकायत नहीं**



**मुंब्रा, यशभारत।** मुंब्रा के एम.एम. वैली इलाके में चोरी के संदेह में एक युवक को कथित तौर पर निर्वस्त्र कर बीच सड़क पर बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, एक दुकान में चोरी के शक में कुछ लोगों ने युवक को पकड़ लिया। इसके बाद उसे निर्वस्त्र कर पीटा गया। इस दौरान घटना का वीडियो भी बनाया गया, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

हैरानी की बात है कि वीडियो वायरल होने के बावजूद अब तक पुलिस थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। घटना ने कानून हाथ में लेने और भीड़ की मनमानी को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

## विरार में अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़

**13 लाख का माल जब्त, 17 मजदूर कर रहे थे काम, तीन आरोपियों पर मामला दर्ज**

**वसई, यशभारत।** विरार (पूर्व) के चंदनसार इलाके में घनी आबादी के बीच चल रहे अवैध पटाखा कारखाने का क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने पर्दाफाश किया है। गुरुवार शाम करीब पौने सात बजे छापेमारी कर पुलिस ने 12 लाख 98 हजार 50 रुपये का विस्फोटक कच्चा माल और अन्य सामग्री जब्त की। मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ विरार पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, चंदनसार रोड पर जी.एम. बेवरेज कंपनी के पास स्थित मर्चेंट एंटरप्राइजेज दुकान के ऊपर अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। तैयार पटाखों की बिक्री नीचे दुकान से होती थी। जांच में इमारत की दोनों मंजिलों पर पटाखा निर्माण और 17 मजदूरों के काम करने की जानकारी सामने आई। नामी कंपनियों के ब्रांड का इस्तेमाल कर नकली पटाखे बनाने का भी संदेह है।

पुलिस ने सुलतान मासुमअली मर्चेंट (65), सागर सुरेश पाष्टे (39) और देवेंद्र अजय नाईक (39) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, घनी आबादी में विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल बड़े हादसे को न्योता दे सकता था।

## कोपरखैरने में सरेआम फायरिंग से मची सनसनी

**लॉन्ड्री दुकान पर गोलियां चलने से दो बहनें लहूलुहान, एक आरोपी गिरफ्तार दूसरा फरार**

**नवी मुंबई, यशभारत।** कोपरखैरने के सेक्टर-1 में गुरुवार रात लॉन्ड्री दुकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग से इलाके में सनसनी फैल गई। इस गोलीबारी में दो बहनें घायल हो गईं। रिहायशी इलाके में हुई इस वारदात से नागरिकों में दहशत फैल गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फायरिंग की घटना के बाद पुलिस ने अर्जुन चव्हाण नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका दूसरा साथी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। हालांकि, गोलीबारी के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। दोनों घायल बहनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस आरोपियों की भूमिका और फायरिंग के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

## पनवेल में रिश्तों का कत्ल

**बीमारी से परेशान बड़े भाई ने छोटे भाई को उतारा मौत के घाट, पड़ोसियों की सतर्कता से खुला हत्या का राज**

**नवी मुंबई, यशभारत।** पनवेल की खांदा कॉलोनी में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। गंभीर बीमारी से जूझ रहे छोटे भाई और पारिवारिक तनाव से परेशान बड़े भाई ने उसकी नायलॉन की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने इसे प्राकृतिक मौत बताकर छिपाने की कोशिश की, लेकिन पड़ोसियों की सतर्कता से उसका राज खुल गया।





मृतक रोहन भगवान सणस (40) और आरोपी राहुल भगवान सणस (45) सेक्टर-7 में रहते थे। पुलिस के अनुसार, रोहन लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित था। उसके इलाज के खर्च और घरेलू विवादों के कारण परिवार में तनाव था।

4 नवंबर को राहुल ने भाई की मौत को प्राकृतिक बताकर एंबुलेंस बुला ली। शव एंबुलेंस में रखते समय शर्ट की कॉलर खिसकने से गले पर रस्सी के निशान दिखाई दिए। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। फॉरेंसिक टीम को घर की बीम से नायलॉन की रस्सी मिली। पोस्टमार्टम में गला घोंटने से मौत की पुष्टि हुई। पूछताछ में राहुल ने हत्या कबूल कर ली। खांदेश्वर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर 7 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।


स्वामी,मुद्रक, प्रकाशक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस यूनिट न.04 ग्राऊंड फ्लोर एन.के. इंडस्ट्रियल गोरेगांव (E) मुम्बई से मुद्रित एवं 616/डी विंग फ्लोरल डेक प्लाजा परिसर सीएचएसएल, सेंट्रल एमआईडीसी रोड के सामने, अंधेरी ईस्ट मुंबई 400093 से प्रकाशित संपादक आशीष कुमार शुक्ला,स्थानीय संपादक विल्फ्रेड डिसूजा*
महाप्रबंधक अरुणा राजेंद्र जैन,आर.एन. आई. नं. MHHIN/25/1223/A1161 समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार* Email ID- mumbaiyashbharat@gmail.com फोन- 8767063789, 9967216271 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार मुम्बई महाराष्ट्र)